केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450] 9336715406

दैनिक
# भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 156 सोमवार 30 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### ई रिक्शा पलटने से मासूम की मौत

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के महसो चौकी से महज 50 मीटर दूर अनियंत्रित ई रिक्शा अचानक पलट जाने से मासूम की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र महसो बाजार निवासी रुद्र उम्र 4 वर्ष पुत्र आनंद गौड़ शनिवार की रात करीब 8 बजे अपने घर के बाहर खेल रहा था। कि अचानक रोड पर चल रही अनियंत्रित ई रिक्शा पलट गई और मासूम रुद्र ई रिक्शा के नीचे आ गया। जिससे उसको गंभीर चोट लग गई। परिजनो द्वारा निजी वाहन से मासूम को जिला अस्पताल बस्ती पहुंचाया गया जहां पर देर रात इलाज के दौरान मासूम रुद्र दम तोड़ दिया। मासूम के मौत की सूचना मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। मासूम रूद्र दो भाई बहन थे। जिसमें रूद्र छोटा था। परिवार वालों का रो–रो कर बुरा हाल है। लालगंज थाना अध्यक्ष सुनील गौड़ ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

### 325 बसों से महाकुंभ जायेंगे होमगार्ड

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। प्रयागराज महाकुंभ मेला व स्नान पर्व में सुरक्षा व्यवस्था में लगे होमगार्ड को वहां पहुंचाने के लिए बस्ती समेत 72 जिलों की 325 रोडवेज बसों को लगाया गया है। इसके एवज में परिवहन निगम ने प्रति बस का किराया 27 हजार 808 रुपये 400 किमी. दूरी के लिए तय किया है, जिसमें 1324 रुपये जीएसटी है। परिवहन निगम के अपर प्रबंध निदेशक रामसिंह वर्मा ने उप सचिव गृह पुलिस प्रशासन को भेजे पत्र में कहा है कि 13925 होमगार्ड को भेजने के लिए 52 सीटर बस में 45 होमगार्ड की संख्या के अनुसार 325 बसें लगेंगी। जिसका विवरण जनपदवार दे दिया है। बस्ती से प्रयागराज जाने वाले होमगार्ड के अनुसार चार बसें लगाई गई हैं। ये बसें अधिकतम 400 किमी की दूरी तय करेंगी। उसके अतिरिक्त चलने पर निगम को प्रति किमी की दर से 69.52 रुपये अतिरिक्त भुगतान करना होगा।

बस्ती डिपो के एआरएम आयुष भटनागर, होमगार्ड को भेजने के लिए आरक्षित की गईं बसों को समय से भेजा जाएगा। इस बाबत आदेश प्राप्त हुआ है। किराया तय किया गया है।

परिवहन निगम ने उप सचिव गृह पुलिस को भेजे पत्र में कहा है कि जो किराया तय है। उसका 50 प्रतिशत भुगतान अग्रिम करने का कष्ट करें ताकि व्यवस्था बनाई जा सके। ये बसें होमगार्ड को मेले तक छोड़ेंगी।

### आत्महत्या मामले की जांच शुरू

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के कोईलपुरा गांव में किशोर द्वारा पुलिसिया कार्रवाई से आहत होकर आत्महत्या के मामले में थानेदार के निलंबन के बाद सिपाहियों पर भी कार्रवाई की तलवार लटकने लगी है। पीड़ित परिवार ने उच्चाधिकारियों से मिलकर आरोप लगाया कि थानेदार के निलंबन से संतुष्ट नहीं हैं। सिपाही सहित अन्य दोषियों पर भी कार्रवाई हो। इस मामले में पुलिस की शिथिलता को लेकर सीओ ने जांच भी शुरू कर दी है।

उन्होंने बीट के पुलिस कर्मियों को बयान के लिए नोटिस भेजा है। ऐसे में उन सिपाहियों की मुश्किलें बढ़ती दिख रही है जो इस मामले में लापरवाह थे। इस बाबत सीओ हरैया संजय सिंह ने बताया कि मामले में पुलिस कर्मियों को बयान के लिए बुलाया गया है। मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को कार्रवाई के लिए भेजी जाएगी।

## विमान दुर्घटनाग्रस्तः 179 यात्रियों की मौत, दो जिन्दा बचेः जांच शुरू

सियोल (आभा)। दक्षिण कोरिया के मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुए 'जेजू एयर' विमान में सवार 181 यात्रियों में से महज दो ही लोग जिंदा बच पाए हैं। दोनों चालक दल के सदस्य हैं। बाकी के 179 यात्रियों की दुखद घटना में मौत हो गयी है। सामने आयी जानकारी के अनुसार, अधिकारियों का मानना है कि विमान हादसा पक्षियों के टकराने की वजह से हुआ। पक्षियों के झुंड से टकरा जाने की वजह से विमान का लैंडिंग गियर खराब हो गया और वह रनवे से फिसलकर हवाई अड्डे की दीवार से टकराने के बाद आग की लपटों में घिर गया।

जेजू एयर के सीईओ किम ई–बे ने एक बयान जारी कर दुख व्यक्त किया और पीड़ितों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, किम ने अपने बयान में कहा, 'कारण चाहे जो भी हो, मैं सीईओ के रूप में पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।' जेजू एयर कंपनी ने दुर्घटना से निपटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ने का आश्वासन दिया। एक बयान में, कंपनी ने कहा, 'जेजू एयर दुर्घटना का जवाब देने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।'

मुआन अग्निशमन केंद्र के प्रमुख ली जियोंग–ह्योन ने संवाददाताओं से कहा कि विमान पूरी तरह से नष्ट हो गया है और मलबे के बीच केवल 'टेल असेंबली' ही पहचानी जा सकती है। ली ने बताया कि कर्मचारी दुर्घटना के कारणों के बारे में विभिन्न संभावनाओं की जांच कर रहे हैं। इसमें विमान के पक्षियों से टकराने के पहलू की भी जांच की जा रही है।

परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि संचार रिकॉर्ड के उनके शुरुआती आकलन से पता चला कि हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर ने विमान को उतरने से कुछ समय पहले पक्षियों के टकराने की चेतावनी जारी की और पायलट को एक अलग क्षेत्र में उतरने की अनुमति दी। अधिकारियों ने कहा कि पायलट ने दुर्घटना से पहले संकट संकेत भेजा था। परिवहन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जू जोंग–वान ने बताया कि कर्मचारियों ने विमान के ब्लैक बॉक्स से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर को निकाल लिया है और 'कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग' उपकरण की तलाश की जा रही है।

## मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति से मुलाकात कर महाकुंभ में आने का दिया निमंत्रण

**नई दिल्ली (आभा)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और उन्हें प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। हर 12 साल पर आयोजित होने वाला महाकुंभ इस साल 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रपति के कार्यालय ने श्एक्सश पर मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में भेंट की और आगामी महाकुंभ 2025 में आगमन के लिये उन्हें आमंत्रित किया।




सीएम योगी ने भी इसी तरह की तस्वीर एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि आज राष्ट्रपति भवन में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी से शिष्टाचार भेंट की। अपना अमूल्य समय प्रदान करने के लिए आपका हृदयतल से आभार। सीएम योगी ने इसके साथ ही उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात करने के साथ ही उन्हें भी महाकुंभ में आने का न्योता दिया है। इसके अलावा दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात कर महाकुंभ का निमंत्रण दिया है।

इससे पहले शनिवार को सीएम योगी ने गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें महाकुंभ में आने के लिए विधिवत आमंत्रण भी दिया था। हालांकि मुख्यमंत्री के दिल्ली जाने से सियासी हलचलें तेज हो गईं। इन्हें तब और हवा मिल गई जब दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी दिल्ली जा पहुंचे। इत्तेफाक से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी शनिवार सुबह ही दिल्ली पहुंच गए थे। वे रविवार को होने वाली संगठन चुनाव से जुड़ी बैठक में भाग लेंगे।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को अशोक नगर से साहिबाबाद तक रैपिड रेल का शुभारंभ करना था। मुख्यमंत्री को तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को गाजियाबाद जाने का कार्यक्रम था। हालांकि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम स्थगित हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने कार्यक्रम में बदलाव करते हुए केंद्रीय नेताओं को महाकुंभ–2025 में आने का आमंत्रण देने शनिवार की दोपहर दिल्ली पहुंचे। सबसे पहले मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात कर उन्हें महाकुंभ का न्योता दिया।

उसके बाद योगी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की। उन्हें भी 13 जनवरी से आरंभ हो रहे महाकुंभ में आने के लिए आमंत्रित किया। उसके बाद मुख्यमंत्री भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के आवास पर पहुंचे और उन्हें भी आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने रात्रि प्रवास दिल्ली में ही किया। वे रविवार को भी कुछ केंद्रीय नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। उधर, दोनों उपमुख्यमंत्री भी दिल्ली में ही मौजूद थे।

### 5 आरोपी ईनामी घोषित

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के सेठा गांव में मां–बेटी की हत्या के 24 दिन बाद भी पुलिस मुख्य आरोपियों तक नहीं पहुंच पाई है। इस मामले में पुलिस ने पहले से ही एनबीडब्ल्यू घोषित कर रखा है। पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित पांच आरोपियों पर 50–50 हजार का इनाम घोषित किया है। इस मामले में सात नामजद समेत कुल नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इनमें फरार नामजद आरोपी कमलेश कुमार, करूणाकर उर्फ लल्लन, कौशल चन्द्र, राजन उर्फ राजेश और रंजना के खिलाफ एनबीडब्लू जारी हुआ है। पुलिस इस मामले में कुर्की की तैयारी में जुटी है। थानेदार उपेन्द्र मिश्रा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ इनाम घोषित किया गया है। वहीं इस मामले में मृतका की बेटी सरिता का कहना है कि पुलिस मामले में शिथिलता बरत रही है। पुलिस की लापरवाही से परिजनों को खतरा बना हुआ है।

## मुख्यमंत्री आवास के नीचे भी शिवलिंग खुदाई कराये सरकार– अखिलेश यादव

**लखनऊ (आभा)।** उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों मंदिर खोजने और खुदाई का मामला छाया हुआ है। संभल के बाद से शहर–शहर नए मंदिर मिल रहे हैं और जगह–जगह मंदिर और शिवलिंग होने के दावे किए जा रहे हैं। इन दावों के बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एक दावा कर दिया है। अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि लखनऊ में सीएम योगी जिस मुख्यमंत्री आवास में रहते हैं उसके नीचे भी शिवलिंग है। अखिलेश ने उसकी भी खुदाई की मांग कर दी। अखिलेश यादव सपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास के नीचे शिवलिंग है। यह हमारी जानकारी है। इसकी भी खुदाई होनी चाहिए। अखिलेश यादव के इस दावे के बाद कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। अखिलेश इससे पहले भी संभल में हो रही खुदाई को लेकर निशाना साध चुके हैं। अब मुख्यमंत्री आवास की खुदाई कराने की मांग के पीछे की उनकी रणनीति और मंशा को सीधे संभल में चल रही खुदाई से जोड़ा जा रहा है। संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद से प्रशासन मुस्लिम इलाकों में लगातार बिजली चोरी और मंदिर के जीर्णोद्धार कराने में जुटा है। यहां पर कई पुराने कुओं को दोबारा खुदाई कर नया जीवन दिया जा रहा है। जमीन के अंदर चली गईं बावड़ियों पर भी खुदाई चल रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि मैं जब नए घर में जा रहा था तो पीआईएल हुआ थी। भाजपा और कांग्रेस दोनों के पीआईएल करने वालों को मैं जानता हूं। अखिलेश यादव ने अवैध अतिक्रमण बुलडोजर एक्शन को लेकर राजभवन के बाहर हुए कंस्ट्रक्शन का मामला उठाया। पूछा कि उसका नक्शा क्या पास है? वहां बुलडोजर कब जाएगा?

अखिलेश यादव पिछले कुछ दिनों से प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ की तैयारियों को लेकर चल रही अव्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। एक्स पर इसे लेकर कई वीडियो पोस्ट किए हैं। इसे लेकर अखिलेश ने कहा कि अगर हमारे कार्यकर्ताओं पर मुकदमे लगे तो कुम्भ मेले में अव्यवस्था की पूरी पोल खोल देंगे।

वहीं सीएम योगी का दिल्ली जाकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह समेत तमाम नेताओं को कुंभ का न्योता देने पर भी अखिलेश ने सवाल खड़ा किया। अखिलेश ने कहा कि कुंभ में निमंत्रण नहीं दिया जाता है। कुंभ में लोग अपने आप आस्था से आते हैं। मैं किसी के बारे में कुछ कहना नहीं चाहता। हमने अपने धर्म में सीखा और पढ़ा है कि ऐसे आयोजनों में लोग खुद आते हैं। जो करोड़ो लोग आएंगे क्या उन्हें निमंत्रण दिया जाता है? ये सरकार अलग है। अखिलेश ने कहा कि सरकार ने गंगा एक्सप्रेस वे कुंभ से पहले शुरू होने की बात कही थी, लेकिन कहां यह चालू हुआ।अखिलेश ने एक बार फिर ईवीएम पर सवाल उठाया और कहा कि यहां ईवीएम के कारण हारने वाले को हार का और जीतने वाले को जीत का विश्वास नहीं होता है। इसलिए हम मांग करते हैं कि बैलेट से ही चुनाव कराया जाए।

## मन की बात में बोले पीएम मोदी महाकुंभ में एआई करेगा कमाल

**नई दिल्ली (आभा)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि जिस नक्सली क्षेत्र में डर का माहौल रहता था वहां अब 'बस्तर ओलंपिक' जैसे खेल कुंभ का आयोजन हो रहा है जो खेल प्रतिभाओं को सामने लाकर देश मे बदलाव का सबसे बड़ा प्रतीक बन गया है। पीएम मोदी ने आकाशवाणी से प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 117वीं कड़ी में रविवार को कहा कि देश में ऐसे अनोखे खेल कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं जो हमारे देश में बदलाव और युवा साथियों के जोश एवं जज्बे के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने प्रयागराज कुंभ का जिक्र करते हुए कहा कि यह न केवल विशाल और भव्य होगा बल्कि अनेकता में एकता का संदेश देते हुए पूरे कुंभ क्षेत्र में पहली बार डिजिटल व्यवस्था का प्रदर्शन होगा। पीएम मोदी ने कहा कि अगले माह प्रयागराज में महाकुंभ हो रहा है जो देश की विविधता और भव्यता को प्रदर्शित कर 'महाकुंभ का संदेश एक हो पूरा देश और गंगा की अविरल धारा न बंटे समाज हमारा' का पूरा देश को संदेश देगा।

उन्होंने कहा 'हमारे बस्तर में एक अनूठा ओलंपिक शुरू हुआ है। जी हाँ, पहली बार हुए बस्तर ओलंपिक से बस्तर में एक नई क्रांति जन्म ले रही है। मेरे लिए ये बहुत ही खुशी की बात है कि बस्तर ओलंपिक का सपना साकार हुआ है। आपको भी ये जानकार अच्छा लगेगा कि यह उस क्षेत्र में हो रहा है जो कभी माओवादी हिंसा का गवाह रहा है। बस्तर ओलंपिक का शुभंकर है 'वन भैंसा' और ''पहाड़ी मैना'। इसमें बस्तर की समृद्ध संस्कृति की झलक दिखती है।

पहली ही बार में बस्तर ओलंपिक में सात जिलों के एक लाख 65 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया है। यह सिर्फ एक आंकड़ा नहींदृ हमारे युवाओं के संकल्प की गौरव–गाथा है। एथलेटिक, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, कराटे, कबड्डी, खो–खो और वालीबाल हर खेल में हमारे युवाओं ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है।'

पीएम मोदी ने प्रतिभाओं की कहानी सुनाई और कहा श्कारी कश्यप जी की कहानी मुझे बहुत प्रेरित करती है। एक छोटे से गांव से आने वाली कारी जी ने तीरंदाजी में रजत पदक जीता है। वे कहती हैंदृबस्तर ओलंपिक ने हमें सिर्फ खेल का मैदान ही नहीं, जीवन में आगे बढ़ने का अवसर दिया है। सुकमा की पायल कवासी जी की बात भी कम प्रेरणादायक नहीं है। भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाली पायल जी कहती हैं–अनुशासन और कड़ी मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

सुकमा के दोरनापाल के पुनेम सन्ना जी की कहानी तो नए भारत की प्रेरक कथा है। एक समय नक्सली प्रभाव में आए पुनेम जी आज व्हीलचेयर पर दौड़कर मेडल जीत रहे हैं। उनका साहस और हौसला हर किसी के लिए प्रेरणा है। कोडागांव के तीरंदाज रंजू सोरी जी को 'बस्तर यूथ आईकॉन' चुना गया है। उनका मानना हैदृबस्तर ओलंपिक दूरदराज के युवाओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का अवसर दे रहा है।' कहा 'बस्तर ओलंपिक केवल एक खेल आयोजन नहीं है। यह एक ऐसा मंच है जहां विकास और खेल का संगम हो रहा है। जहां हमारे युवा अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं और एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि अपने क्षेत्र में ऐसे खेल आयोजनों को प्रोत्साहित करें। खेलेगा भारतदृजीतेगा भारत के साथ अपने क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं की कहानियां साझा करें।

## बापू प्रतिमा के अपमान के विरोध में जिम्मेदारों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करायेगी कांग्रेस

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । जिला पंचायत के हाल में स्थापित महात्मा गांधी प्रतिमा के कूडे के ढेर में पाये जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, राम जियावन की मौजूदगी में कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधि मण्डल ने पी.सी.सी. सदस्य राकेश पाण्डेय गांधियन के नेतृत्व में टोल प्लाजा के निकट प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से भेंटकर उन्हें बापू प्रतिमा के अपमान के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। इस पर अजय राय ने कहा कि प्रकरण पार्टी के संज्ञान में है। इसमें जिम्मेदार दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराईये। जरूरत पड़ी तो कांग्रेस स्वयं बापू के भव्य प्रतिमा का निर्माण करायेगी। वे प्रभात पाण्डेय के तेरही में हिस्सा लेने सड़क मार्ग से गोरखपुर जा रहे थे।

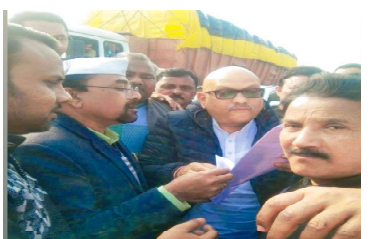



### –जरूरत पड़ी तो बस्ती में बापू की भव्य प्रतिमा स्थापित होगी– अजय राय

प्रदेश अध्यक्ष से भेंटकर बापू प्रतिमा के अपमान के बारे में जानकारी देने वालों में मुख्य रूप से डा. मारूफ अली, अतीउल्ला सिद्दीकी, काजी सुहेल, मो. मुकीम, देवेन्द्र श्रीवास्तव, विश्वनाथ चौधरी, मो. रफीक खां, राम बचन भारती, अनिल भारती, राजेन्द्र गुप्ता, आशुतोष पाण्डेय, प्रशान्त पाण्डेय, राहुल चतुर्वेदी, डा0. शीला शर्मा, शकुन्तला देवी, नर्वदेश्वर शुक्ल, अलीम अख्तर सिद्दीकी, जय प्रकाश अग्रहरि, सद्दाम हुसेन, लालजीत पहलवान, सुरेन्द्र मिश्र, कौशल त्रिपाठी, शिवविभूति मिश्र के साथ ही अनेक कांग्रेसजन शामिल रहे।

## आजाद समाज पार्टी जिलाध्यक्ष बने अजय कुमारः समर्थकों ने किया स्वागत

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। आजाद समाज पार्टी 'कांशीराम' के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व एम.एल.सी. सुनील कुमार चित्तौड़ ने अजय कुमार को बस्ती जनपद का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। अजय कुमार को जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर जिला प्रभारी मेराज अहमद, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष सूरज मल्होत्रा, अमित कुमार डीसी, मुलायम सिंह, बृजेश सिंह के संयोजन में भव्य स्वागत किया गया। महराजगंज और कप्तानगंज के अनेक क्षेत्रों में पार्टी समर्थकों ने अजय कुमार का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।



कप्तानगंज बाजार के निकट स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद जिलाध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें जो दायित्व सौंपा है उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन किया जायेगा। कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद एवं भीम आर्मी चीफ एडवोकेट चन्द्रशेखर आजाद के दिशा निर्देश के अनुरूप बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर और मान्यवर कांशीराम के सपनों को पूरा करने की दिशा में जमीनी धरातल पर कार्य किये जायेंगे।

आजाद समाज पार्टी 'कांशीराम' के जिलाध्यक्ष अजय कुमार का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से अनिल यादव, विनय चौधरी, रितेश गौतम, शनि राव, माइकल टारजन, शब्लू खान, अनिल, शाजिद शेख, सोनू चौधरी, पंकज, रामानुज चौधरी, बालजी चौधरी, विनय, विक्रम, दिलीप, मोहन कुमार, भूपेन्द्र, अभिषेक, राजकुमार, दुर्गेश, रामवृक्ष, मनीष गौतम के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 दिसम्बर 2024 सोमवार

## सम्पादकीय

# समय की शिला पर 2024

2024 अब खत्म होने को है. यह समय है उन घटनाओं और खबरों के बारे में जानने का जो पूरे साल सुर्खियों में रहीं और अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित किया। जाते–जाते 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का निधन हो गया। विश्व पटल पर देखें तो साल 2023 की तरह 2024 में भी इजरायल–गजा संघर्ष पूरे साल खबरों में बना रहा. सात अक्तूबर 2023 को हमास के इजरायल पर हमले के साथ शुरू हुआ यह युद्ध 2024 में पूरे साल चलता रहा. इस युद्ध में अबतक 45 हजार से अधिक फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं. इनमें बच्चों और महिलाओं की संख्या सबसे अधिक है. इजरायल–गजा युद्ध के अलावा इस समय दुनिया में रूस–यूक्रेन युद्ध भी चल रहा है. रूस ने यूक्रेन पर फरवरी 2022 में हमला किया था. इसी साल पड़ोसी बांग्लादेश में शेख हसीना और सीरिया में बशर–अल–असद की सरकार का पतन भी हो गया. यह साल चुनाव के नजरिए से भी काफी अहम रहा. भारत में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने चुनाव जीतकर लगातार तीसरी बार सरकार बनाई तो अमेरिका ने डॉनल्ड ट्रंप ने पांच साल बाद एक बार फिर सत्ता में वापसी की.भारत और अमेरिका के इन चुनावों की गूंज अगले कई दशक तक अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करेगी।

हमास ने सात अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला किया था. इस हमले में 12 सौ लोग मारे गए थे और हमास ने 251 लोगों को बंधक बना लिया था. इसके बाद इजराल ने गजा में जवाबी कार्रवाई शुरू की. पहले उसने हवाई हमले किए और बाद में जमीनी कार्रवाई शुरू की. इस हमले में अब तक 45 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है. मरने वालों में अधिकांश बच्चे और महिलाएं हैं. इस हमले की वजह से गजा से लाखों लोगों की आबादी विस्थापित हुई है.इजरायली हमले में गजा पट्टी अब खंडहर में बदल चुकी है. इजरायल ने अब तक हमास के कई बड़े नेताओं का खात्म कर दिया है.साल 2024 में इस युद्ध को रुकवाने के लिए कई प्रयास हुए. लेकिन इसमें अभी तक सफलता नहीं मिली है.युद्ध विराम का एक और प्रयास अभी जारी है।

रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर हमला किया था. ऐसे में अगर अगले कुछ दिनों में यह युद्ध न रुका तो अगले साल 24 फरवरी को यह युद्ध अपने तीसरे साल में प्रवेश कर जाएगा. अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इस युद्ध को रुकवाने में दिलचस्पी दिखाई है. वो 20 जनवरी को सत्ता संभालने वाले हैं, अगर वह इस युद्ध को रुकवा दे देते हैं तो यह उनकी बड़ी कामयाबी होगी. ट्रंप की बात पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है. अगर आने वाले दिनों में ये जंग न थमी, तो अगले साल फरवरी में इस लड़ाई को तीन साल हो जाएंगे.इस युद्ध में दोनों तरफ से एक लाख से अधिक सैनिकों की जान जा चुकी है, हालांकि यह आधिकारिक आकंड़ा नहीं है, क्योंकि दोनों ही पक्ष युद्ध में हताहत हुए सैनिकों या भाड़े के सैनिकों की जानकारी को सार्वजनिक नहीं करते हैं.।

इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध में परोक्ष तौर पर ईरान भी शामिल है. वह इजरायल से लड़ रहे हमास और लेबनान में सक्रिय आतंकी संगठन हिजबुल्लाह को हर तरह की मदद पहुंचाता है. इसके अलावा वह यमन में हूती विद्रोहियों की भी मदद करता है. इसके अलावा वह इराक और मध्य–पूर्व के कुछ दूसरे देशों में सक्रिय मिलिशिया की भी मदद करता है. ईरान इस तरह के विद्रोहियों को एक्सिस ऑफ रेजिसटेंस कहता है. इजरायल इस बात को भली–भांति जानता है. इसलिए इस साल कम से कम दो मौकों पर दोनों देश आमने सामने आ गए.ईरान ने सीरिया के दमिश्क में अपने वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले के जवाब में 14 अप्रैल को इजरायल की ओर सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें दागीं. इसके बाद ईरान ने एक अक्टूबर को इजरायल पर 200 से ज्यादा मिसाइल हमले किए. इसके अलावा इजरायल ने ईरान में हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या कर दी. हानिया को तो इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान में एक सरकारी गेस्ट हाउस में हमला कर मारा डाला. गाजा युद्ध ने इजरायल–हिजबुल्लाह तनाव को भी चरम पर पहुंचा दिया. इजरायली सेना ने 23 सितंबर से लेबनानी ग्रुप पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए. इजरायली हमलों में हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह समेत कई कमांडरों की मौत हो गई. नवंबर के अंतिम हफ्ते में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच एक युद्धविराम समझौता करवाया.इससे इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच एक साल से अधिक समय से चल रही लड़ाई का अंत हुआ।

इस भारत और कनाडा के राजनयिक रिश्तों में तनाव देखा गया. यह विवाद कनाडा में एक अलगाववादी सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद शुरू हुआ. नागरिक कनाडा का नागरिक था. कनाडा ने इस हत्या में भारत का हाथ बताया. इसका भारत ने तगड़ा विरोध किया. हालात यहां तक पहुंचा कि दोनों देशों ने एक दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित कर दिया. भारत ने कुछ समय तक वीजा जारी करना बंद कर दिया था. कनाडा में लगभग 30 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं. कनाडा भारतीयों के लिए एक बड़ा ठिकाना है।

भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में अगस्त का महीना काफी उथल–पुथल वाला रहा. हिंसक प्रदर्शनों के बाद बांग्लादेश में पीएम शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट हो गया.शेख हसीना बांग्लादेश को छोड़कर भारत आ गईं. शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद अर्थशास्त्री युनूस मोहम्मद के नेतृत्व में वहां एक अंतरिम सरकार ने सत्ता संभाली.इसके बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं और दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों की संख्या में रिकॉर्ड तोड़ बढ़ती चली गई. इससे भारत–बांग्लादेश के बीच रिश्ते को प्रभावित हो रहे हैं. भारत ने बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है. वहीं बांग्लादेश ने कहा है कि भारत शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेजे। अप्रैल 2024 से लेकर जून 2024 के बीच भारत में लोकसभा चुनाव कराया गया.चुनाव परिणाम चार जून को जारी किया गया. लोकसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को 292 सीटों पर जीत हासिल हुई. उसने आसानी से बहुमत हासिल कर लिया. विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन 234 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सका. अन्य दलों को 17 सीटें मिलीं. सबसे ज्यादा सीटें प्राप्त करने वाले दलों की बात करें तो बीजेपी को 240, कांग्रेस को 99, समाजवादी पार्टी को 37 तृणमूल कांग्रेस को 29, डीएमके को 22, टीडीपी को 16 और जेडीयू को 12 सीटों पर जीत मिली. इसके बाद नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली.नरेंद्र मोदी की इस जीत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाप छोड़ी। दुनियां 2025 की प्रतीक्षा में हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विश्व की क्या स्थितियां बनेंगी।

# नया साल सिर्फ जश्न नहीं, आत्म–परीक्षण का अवसर

—प्रियंका सौरभ—

31 दिसम्बर की आधी रात को हम 2024 को अलविदा कह देंगे और कैलेंडर 1 जनवरी यानी 2025 के नए साल के दिन के लिए अपना नया पन्ना खोलेगा। उतार–चढ़ाव, मजेदार पल और कुछ खास नहीं–यह सब अब अतीत की बात हो जायेंगे। हम एक नए साल के मुहाने पर खड़े हैं, जो हमारे सामने आने वाली हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। हवा में उत्साह और चिंतन की गूंज है, जैसे पुरानी यादों और उम्मीदों का एक बेहतरीन मिश्रण। बुद्धिमान लोग कहते हैं कि जीवन विरामों के बीच में जिया जाता है–जैसे कि सांस छोड़ने के ठीक बाद और सांस लेने से पहले। हर अंत बस एक और शुरुआत है। वास्तव में इसे महसूस करने के लिए साल के पहले दिन से बेहतर कोई समय नहीं है।

एक नया साल एक नई शुरुआत है। यह एक नए जन्म की तरह है। नया साल शुरू होते ही हमें लगता है कि हमें अपने जीवन में बदलाव करने, नई राह पर चलने, नए काम करने और पुरानी आदतों, समस्याओं और कठिनाइयों को अलविदा कहने की जरूरत है। अक्सर हम नई योजनाएँ और नए संकल्प बनाने लगते हैं। हम उत्साहित, प्रेरित और आशावान महसूस कर सकते हैं, लेकिन कभी–कभी आशंकित भी होते हैं। कवियों और दार्शनिकों ने अक्सर दोहराया है कि भविष्य में जो कुछ भी करना है, उसमें जीवन ने जो सबक हमें सिखाया है, उसे लागू करना जरूरी है। लेकिन यह कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल है।

लोग एक–दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं। संदेश, ग्रीटिंग कार्ड और उपहारों का आदान–प्रदान नए साल के जश्न का अभिन्न अंग है। मीडिया कई नए साल के कार्यक्रमों को कवर करता है, जिन्हें दिन के अधिकांश समय प्राइम चैनलों पर दिखाया जाता है। जो लोग घर के अंदर रहने का फैसला करते हैं, वे मनोरंजन और मौज–मस्ती के लिए इन नए साल के शो का सहारा लेते हैं।

नया साल सिर्फ जश्न मनाने का समय नहीं है, बल्कि आत्म–परीक्षण और सुधार का अवसर भी है। अतीत की गलतियों से सीखते हुए हमें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। आइए हम अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें और उन्हें प्राप्त करने की योजना बनाएँ। आइए हम नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएँ। आइए हम जरूरतमंदों की मदद करके समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएँ। आइए हम आत्म–विकास के लिए प्रयास करते रहें और नई चीजें सीखते रहें। लोग रंग–बिरंगे कपड़े पहनते हैं और मौज–मस्ती से भरी गतिविधियाँ करते हैं जैसे गाना, खेलना, नाचना और पार्टियों में जाना। नाइट क्लब, मूवी थिएटर, रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट और मनोरंजन पार्क हर उम्र के लोगों से भरे हुए हैं। आने वाले साल के लिए नए संकल्पों की योजना बनाने की सदियों पुरानी परंपरा आम है। कुछ सबसे लोकप्रिय संकल्पों में वजन कम करना, अच्छी आदतें विकसित करना और कड़ी मेहनत करना शामिल है। आज के समय में, जब पर्यावरण के मुद्दे एक गंभीर चिंता का विषय हैं, तो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तरीकों से नए साल का जश्न मनाना हमारी जिम्मेदारी बन जाती है। पटाखों का उपयोग कम करना, पेड़ लगाना और जल संरक्षण इस दिशा में सकारात्मक कदम हो सकते हैं।

नया साल हमें अतीत की कड़वाहट को भूलकर नए रिश्ते शुरू करना सिखाता है। आइए हम एक–दूसरे के प्रति प्रेम और सद्भावना व्यक्त करें। आइए हम उन लोगों को सही रास्ते पर लाने का प्रयास करें जो अपना रास्ता भूल गए हैं। भगवद गीता में भगवान कृष्ण की शिक्षाएँ हमें याद दिलाती हैं कि हमें अपना काम करना चाहिए और परिणाम भगवान पर छोड़ देना चाहिए। नया साल सिर्फ कैलेंडर बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन को एक नई दिशा देने का अवसर है। यह नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का समय है। आइए हम सब मिलकर इस नए साल को अपने और समाज के लिए बदलाव का साल बनाएँ। अब, सभी चमक–दमक के बीच, नए साल का दिन कुछ गंभीर सोच–विचार का भी समय है। हाँ, हम आत्मनिरीक्षण के बारे में बात कर रहे हैं–पिछले साल को पीछे देखते हुए और यह पता लगाते हुए कि हमने क्या सीखा है। क्या हमने आखिरकार मकड़ियों के डर पर विजय प्राप्त की? क्या हमने उन लोगों के साथ पर्याप्त समय बिताया जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं? यह कुछ हद तक हमारे जीवन की मुख्य घटनाओं को स्क्रॉल करने और यह सोचने जैसा है, 'वाह, क्या मैंने वाकई ऐसा किया?' एक पेड़ लगाएँ, अपने भविष्य के लिए एक पत्र लिखें, या बोर्ड गेम का लुत्फ उठाएँ। इसे अपने लिए अनोखा बनाएँ और हर साल इसका इंतजार करें।

अब, इस तरह से आप एक परंपरा की शुरुआत कर सकते हैं! नए साल के दिन सोच–समझकर उपहार देकर प्यार फैलाएँ। यह कीमत के बारे में नहीं बल्कि इशारे के पीछे की भावना के बारे में है। एक हस्तलिखित नोट, एक व्यक्तिगत ट्रिंकेट, या एक हार्दिक संदेश दुनिया भर में अंतर ला सकता है जब आप उन लोगों के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हैं जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। अक्सर, हम या तो इसे महसूस नहीं करते या इसे स्वीकार करने से इनकार करते हैं और एक ऐसी कहानी लिखने की कोशिश करते हैं जो पहले ही खत्म हो चुकी है। ऐसे समय में हमें याद रखना चाहिए कि कभी–कभी कलम को नीचे रखना ठीक होता है। बंद दरवाजे से जूझना ठीक नहीं है। इससे चिपके रहने से आप दूसरी तरफ की खिड़की को देख नहीं पाते। जैसा कि माइंडफुलनेस प्रैक्टिशनर कहते हैं, सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि नए सिरे से शुरुआत करने के लिए आपके पास मौजूद पल से बेहतर कोई समय नहीं है। नए साल की सुबह, सबसे अच्छी स्थिति में, केवल सही सेटिंग ही बना सकती हैय बाकी, जैसा कि वे कहते हैं, सब आपके भीतर है।

हालाँकि, आप नए साल के दिन 2025 को धूम मचाने का फैसला करते हैं, इसे यादगार बनाते हैं। ऐसे नाचें जैसे कोई देख नहीं रहा हो, ऐसे हँसें जैसे यह अब तक का सबसे अच्छा मजाक हो और अपने दोस्तों को ऐसे गले लगाएँ जैसे आपने उन्हें एक दशक से नहीं देखा हो। क्योंकि अंदाजा लगाइए क्या? 2025 आपका चमकने का साल है। तो, आइए इसे यादगार बनाएँ, इसे यादगार बनाएँ और इसे खास बनाएँ! नई शुरुआत के जादू के लिए चीयर्स!

# आधुनिक युद्ध के खतरे और मानवता

—मनीष तिवारी—

आज के युद्ध के बदलते परिदृश्य में, पारंपरिक सैन्य रणनीतियों और उन्नत तकनीक के बीच की रेखाएं तेजी से धुंधली होती जा रही हैं। आर्टीफिशियल इंटैलीजेंस (ए.आई.) और अन्य उभरती हुई तकनीकों का उदय संघर्ष के साधनों, रणनीति और नैतिक विचारों में क्रांति ला रहा है। इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण यूक्रेन द्वारा रूसी हवाई ठिकानों को निशाना बनाने के लिए कम लागत वाले कार्डबोर्ड ड्रोन की तैनाती है, जो दर्शाता है कि कैसे युद्ध के मैदान को नवाचार फिर से परिभाषित कर रहा है। जबकि ए. आई. सैन्य संदर्भों में निगरानी निर्णय लेने और परिचालन दक्षता को बढ़ाता है। यह महत्वपूर्ण नैतिक दुविधाओं और अस्तित्व संबंधी ङ्क्षचताओं को भी सामने लाता है।

**ए.आई. और उभरती हुई तकनीकों का उदय– आधुनिक युद्ध में स्वायत्त हथियार प्रणालियों (ए.डब्ल्यू.एस.) का एकीकरण युद्ध में एक गहन परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है। मानव रहित हवाई वाहन (यू.ए.वी.) और ए.आई.–संचालित ग्राऊंड रोबोट सहित ये प्रणालियां मानवीय हस्तक्षेप के बिना लक्ष्यों की पहचान और उन पर हमला कर सकती हैं।**

ए.आई. और उभरती हुई तकनीकों का उदय– आधुनिक युद्ध में स्वायत्त हथियार प्रणालियों (ए.डब्ल्यू.एस.) का एकीकरण युद्ध में एक गहन परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है। मानव रहित हवाई वाहन (यू.ए.वी.) और ए.आई. –संचालित ग्राऊंड रोबोट सहित ये प्रणालियां मानवीय हस्तक्षेप के बिना लक्ष्यों की पहचान और उन पर हमला कर सकती हैं। उन्नत सैंसर और ए.आई.एल्गोरिदम से लैस, ए. डब्ल्यू.एस. वास्तविक समय में निर्णय लेने की क्षमता और निगरानी को बढ़ाता है और साथ ही मानव कर्मियों के लिए जोखिम को कम करते हुए सटीक हमले करता है। मार्च 2020 में लीबिया में एक भयावह उदाहरण देखने को मिला, जहां कामिकेज ड्रोन ने स्वायत्त रूप से ट्रकों के काफिले को निशाना बनाया और नष्ट कर दिया। प्रभाव पर विस्फोट करने के लिए डिजाइन किए गए इन ड्रोनों ने मानव आदेशों के बिना हमले को अंजाम दिया, जो ऐसी तकनीकों की नैतिक जटिलताओं को रेखांकित करता है। ड्रोन तकनीक का झुंड एक और गेम–चेंजर है।

ए.आई. का उपयोग करके, कई ड्रोन रक्षा को खत्म करने या खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए सहजता से समन्वय कर सकते हैं। रूसी हवाई क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचाने के लिए यूक्रेन द्वारा सस्ते कार्ड बोर्ड ड्रोन का उपयोग कम लागत वाले, सुलभ सैन्य नवाचारों की विध्वंसक शक्ति को उजागर करता है। गाजा में ऑपरेशन के दौरान इसराईल द्वारा 'लैवेंडर' ए.आई. सिस्टम की तैनाती ने विशाल डाटा का विश्लेषण लक्ष्यों की पहचान और समन्वित हमलों को अंजाम देने की इसकी क्षमता का प्रदर्शन किया। इसे 'पहला ए.आई. युद्ध' कहा जाता है, इसने संघर्ष क्षेत्रों में मशीन–संचालित निर्णय लेने के एक नए युग को चिह्नित किया। प्रौद्योगिकी का प्रभाव साइबर युद्ध तक भी फैला हुआ है।

अत्याधुनिक उपकरण अभूतपूर्व गति से खतरों का पता लगाते हैं और उन्हें बेअसर करते हैं और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा करते हैं। पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण और मशीन लघ्नग भी रसद, कमांड निर्णयों और दुश्मन की रणनीतियों की प्रत्याशा को नया रूप दे रहे हैं। जैसे–जैसे ये प्रौद्योगिकियां अधिक सुलभ होती जा रही हैं, वे विषमता की बाधा को कम करके, छोटे राज्यों, अर्ध–राज्य और गैर–राज्य अभिनेताओं को सशक्त बनाकर खेल के मैदान को समतल कर रही हैं, जबकि स्थापित शक्ति के आदर्शों को चुनौती दे रही हैं। विश्व के कई देश इस दौड़ में ए.आई. संचालित सैन्य प्रणालियों में भारी निवेश कर रहे हैं।

चीन का लक्ष्य 2030 तक ए. आई. उन्नति के लिए 150 बिलियन डालर आबंटित करना है, जबकि रूस ने 2021 और 2023 के बीच 181 मिलियन डालर का निवेश किया है। संयुक्त राज्य अमरीका में, ए.आई. से संबंधित संघीय अनुबंधों का मूल्य अगस्त 2022 में 355 मिलियन डालर से बढ़कर अगस्त 2023 तक 4.6 बिलियन डालर हो गया। यूनाइटेड किंगडम ने यूक्रेन की सहायता के लिए ड्रोन और राडार के लिए अतिरिक्त 155 मिलियन डालर देने का वादा किया और सऊदी अरब ने 40 बिलियन डालर ए.आई. निवेश कोष की योजना का अनावरण किया। तुलनात्मक रूप से भारत सैन्य उपयोग के लिए ए.आई. में मात्र 50–60 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश कर रहा है।

तुलनात्मक रूप से चीन 30 गुना अधिक खर्च कर रहा है। सैन्य मामलों में क्रांति के मामले में ड्रोन तकनीक सबसे आगे है। पैंटागन का अनुमान है कि 2035 तक, अमरीकी वायु सेना का 70 प्रतिशत हिस्सा दूर से संचालित विमानों से बना होगा। इसराईल ने गाजा सहित निगरानी और सटीक हमलों के लिए हथियारबंद ड्रोन का उपयोग किया है। 2014 से कुछ पारंपरिक हथियारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के तहत चल रही चर्चाओं के बावजूद, एल.ए.डब्ल्यू. एस. के लिए बाध्यकारी नियम अभी भी मायावी बने हुए हैं। अमरीकी रक्षा विभाग अपने ए.आई. सिद्धांतों में जवाबदेही, समानता और विश्वसनीयता पर जोर देता है।

यूरोपीय संघ मानवीय निगरानी और नैतिक सुरक्षा उपायों की वकालत करता है, जबकि भारत का भरोसेमंद कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ई.टी.ए.आई.) फ्रेमवर्क पारदर्शिता और निर्भरता को प्राथमिकता देता है। हालांकि, एक एकीकृत अंतर्राष्ट्रीय मानक की कमी इन तकनीकों की नैतिक तैनाती सुनिश्चित करने के प्रयासों को जटिल बनाती है। नीति से परे, स्वायत्त प्रणालियों के अंतर्निहित जोखिम चिंताजनक हैं। इस नए युग को जिम्मेदारी से चलाने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण है। पारदर्शी नीतियां, बाध्यकारी समझौते और मजबूत नैतिक ढांचे यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं कि ए.आई. अराजकता के उत्प्रेरक के बजाय एक स्थिर बल के रूप में कार्य करे।

(लेखक वकील, सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं)

# वाजपेयी की भावना के साथ देश का भविष्य

—हरि जयसिंह—



2024 मिश्रित भावनाओं के साथ समाप्त हो रहा है, हम आशा और आशावाद के साथ नए साल 2025 की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जबकि केंद्रीय नेतृत्व देश की कुछ ज्वलंत समस्याओं के उत्तर खोजने के लिए अंधेरे में टटोल रहा होगा, मुझे प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की याद आ रही है, क्योंकि देश ने इस क्रिसमस पर उनका जन्मदिन मनाया। हर साल, इसी दिन, भारत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन के सम्मान में 'सुशासन दिवस' मनाता है, जिसे 'सुशासन दिवस' के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन सरकारी जवाबदेही और लोगों की जरूरतों के प्रति शासन को अधिक उत्तरदायी बनाने पर केंद्रित है। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वाजपेयी के जन्म की 100वीं वर्षगांठ है। अटल बिहारी वाजपेयी ने हमेशा एक बेहतर भारत के लिए अपनी उम्मीद को जीवित रखा। भारत जैसे बड़े आकार के देश को संकीर्ण दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। वास्तव में, भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण क्षेत्र को अदूरदर्शी दृष्टिकोण से देखना एक बहुत बड़ा अन्याय है।

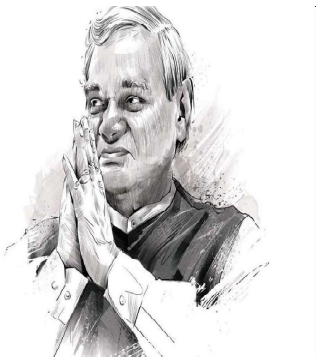

वाजपेयी की दृष्टि ने हमें ऐसी बाधाओं को पार करने और अपने देश की क्षमता को अपनाने के लिए प्रेरित किया। लोकतंत्र का वीरतापूर्ण सार , इसके महान सिद्धांत, समावेशी प्रक्रियाओं और प्रोटोकॉल के वर्गीकरण के माध्यम से कायम रखा जाता है। इस लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर, राजनीतिक गुट अपने आदर्शों को व्यक्त करते हुए माध्यम के रूप में काम करते हैं। अलग–अलग विचारधारा वाले बैनर लेकर अलग–अलग पाध्टयां राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करती हैं, और लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर इन विचारधाराओं को समाहित करने में उनकी सफलता अक्सर उनकी दीर्घायु निर्धारित करती है।भारतीय लोकतंत्र विचारधाराओं के इस संगम का उदाहरण है, जिनमें से प्रत्येक प्रमुखता और कद के लिए होड़ करता है। कई गुट, जो कभी प्रासंगिकता की तलाश में जोरदार थे, गायब हो गए हैं, लेकिन उनके पीछे नगण्य संख्या ही बची है। फिर भी, कुछ एक सदी से भी ज्यादा समय तक टिके रहे हैं। उदाहरण के लिए, कांग्रेस पार्टी का जन्म औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ देश को एकजुट करने के जोश से हुआ था और इसमें महात्मा गांधी, नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, डा. मनमोहन सिंह, प्रणब मुखर्जी और अन्य जैसे नेता रहे हैं जिनका देश के कल्याण में योगदान सराहनीय है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का विकास इसके बिल्कुल विपरीत रहा। यह राजनीतिक क्षेत्र में पैर जमाने के लिए किए गए कठोर प्रयासों की विशेषता थी, जिसने अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं को गढ़ा। वाजपेयी ने पार्टी को एक मान्यता प्राप्त राजनीतिक इकाई के रूप में स्थापित किया। अपनी स्पष्टता और काव्यात्मक भाषण के लिए जाने जाने वाले वाजपेयी की आवाज 1957 में अपने संसदीय चुनाव के बाद से लोगों की आकांक्षाओं के अवतार के रूप में गूंजती रही।

आपातकाल के कठिन समय के दौरान, वाजपेयी का कद बढ़ा और वे एक दुर्लभ दृढ़ विश्वास वाले नेता के रूप में पहचाने जाने लगे। इस अवधि में राजनीतिक एकीकरण की आवश्यकता थी जिसकी परिणति जनता पार्टी के गठन में हुई । उस समय के अत्याचारी शासन के खिलाफ एक साहसिक रुख, जिसमें वाजपेयी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। केंद्रीय नेतृत्व के पास शक्ति की कोई कमी नहीं है। नरेंद्र मोदी आज सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए अमरीकी और फ्रांसीसी राष्ट्रपतियों से अधिक शक्तिशाली हैं। फिर भी, चीजें गड़बड़ हो जाती हैं या वांछित दिशा में आगे नहीं बढ़ती हैं। हमें वांछित दिशा की तलाश करनी होगी। मुझे वह दौर अच्छी तरह याद है जब अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय मामलों के शीर्ष पर थे। उन्होंने कभी भी शासन तंत्र पर नेताओं की कमियों के लिए संदेह नहीं किया। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें मौजूदा प्रणाली की गहन जांच नहीं करनी चाहिए। हमें आज की संसदीय प्रणाली की छाया में चल रही हर चीज की लगातार और स्पष्ट समीक्षा करनी चाहिए। हालांकि, वाजपेयी की निगाह हमेशा आम नागरिकों पर टिकी रहती थी, जिन्हें वे अपना सबसे बड़ा दायित्व और चिंता मानते थे। उनका चरित्र महान डिजाइनों का था। वे हमेशा बड़ा सोचते थे और बड़ा काम करते थे। मैंने हमेशा अटल जी को एक सार्थक व्यक्ति पाया है। इसलिए, जो जरूरी है वह सरकार का स्वरूप नहीं बल्कि उसका सार है।

अटल जी से मेरी कई बार बातचीत हुई, जो हमेशा मानते थे कि मौजूदा प्रणाली प्रभावी ढंग से काम कर सकती है। हालांकि, पार्टी और व्यक्तिगत हितों से पहले राष्ट्र को रखना महत्वपूर्ण है। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने बहुत कुछ करने की इच्छा जताई। आज जरूरत इस बात की है कि भारतीय राजनीति की बदलती मजबूरियों और जरूरतों के लिए नए जवाब तलाशे जाएं। अब समय आ गया है कि हम देश के गरीब नागरिकों की समस्याओं से निपटने के लिए बड़ा सोचें और बड़ा काम करें। वाजपेयी की देशभक्ति और काव्यात्मक वाकपटुता अक्सर संसद में दिखाई देती थी, जो उनके दृढ़ विश्वास की गहराई और उनकी दूरदर्शिता की व्यापकता को प्रकट करती थी। उनकी कविताओं में भारत की चुनौतियों और सांस्कृतिक सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता के बारे में गहरी जागरूकता झलकती थी।

इस राजनेता ने पारंपरिक राजनीतिक सीमाओं को पार करते हुए एक गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया जिसने अपना कार्यकाल पूरा किया और ऐसे नेतृत्व का उदाहरण पेश किया जो सत्ता नहीं बल्कि अपने लोगों के दिलों की तलाश करता है।

# भतीजी संग दुष्कर्म का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

**संवाददाता–श्रावस्ती।** तीन दिन पहले पांच वर्षीय भतीजी के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी चाचा को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी पर एसपी ने 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पांच वर्षीय बालिका शुक्रवार को खेलने के लिए घर से बाहर गई थी। इस दौरान उसका चाचा श्रवण कुमार उर्फ गोकुल पुत्र बेचूराम रास्ते में मिल गया और बालिका को गांव के बाहर स्थित प्राथमिक स्कूल के पीछे लेजाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। दर्द से कराहती बालिका घर पहुंची और मां के पूंछने पर जानकारी दी। मां आरोपी चाचा से पूंछताछ करने लगी तो वह जान से मारने की धमकी देते हुए घर से फरार हो गया। मां की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरोपी की तलाश करने लगी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई। रविवार तड़के ही पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी क्षेत्र के देवरा नहर पुल के रास्ते से होकर नेपाल भागने की फिराक में है। सूचना पर हरदत्त नगर गिरंट थानाध्यक्ष शैलकान्त उपाध्याय टीम के साथ देवरा पुल पर पहुंच गए जहां आरोपी बाइक से आता दिखा। पास आने पर पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई। पैर में गोली लगने के बाद आरोपी घायल हो गया जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के कब्जे से देशी तमंचा, कारतूस बरामद हुआ। साथ ही पुलिस ने उसकी बाइक, मोबाइल फोन जब्त कर लिया। पुलिस ने घायल आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष के साथ उपनिरीक्षक विशाल शुक्ला, अनीष गौड़, मुख्य आरक्षी भोला सिंह, नीरज पाल सिंह, आरक्षी विवेक सिंह आदि शामिल रहे।

# शहर को मिलेगी पानी की टंकी, वेंडर जो निकासी को नहर के नीचे से बनेगा साइफन

**संवाददाता–देवरिया।** नगरपालिका परिषद भी नगर के लोगों का जीवन सुविधाजनक बनाने के लिए तत्पर है। सीमित संसाधनों में कुछ बेहतर करने का प्रयास जारी है। इसी कड़ी में कुछ प्रस्तावों ने मूर्त रूप ले लिया है। वहीं कुछ प्रस्ताव वर्ष 2025 में धरातल पर उतारने की प्रक्रिया में हैं। नगर के पुराने 25 वार्डों में नगरपालिका परिषद साफ सफाई, प्रकाश, पेयजल समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं को व्यवस्थित करती रही है। अब नए आठ वार्ड जुड़ने के बाद ग्रामीण व्यवस्था के तहत संचाालित इन नए वार्डों में आधारभूत सुविधाओं को जुटाना नगरपालिका के लिए बड़ी चुनौती है। इसको देखते हुए नगरपालिका ने अनेक प्रस्ताव शासन को भेजे हैं। कुछ मंजूर हो गए हैं तथा कुछ मंजूरी की प्रतीक्षा में हैं। फिलहाल नए वर्ष में शहर के वार्ड नंबर 28 रामनाथ देवरिया में पेयजल को नई बस्ती में घर घर पहुंचाने की कोशिश पूरी होने वाली है। वार्ड नंबर 28 के तहत अमेठी में एक पानी की टंकी बनाने के लिए जमीन मिल गई है।

इसका प्रस्ताव भी बोर्ड से पास हो चुका है। इसे 2025 में पूरा करने का लक्ष्य है। इसके तैयार होने पर रामनाथ देवरिया पश्चिमी, उत्तरी, कतरारी उमानगर समेत आसपास को वार्डों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। वहीं कई अन्य पेयजल परियोजनाओं के लिए नई पाइप लाइन बिछाने के प्रस्ताव शासन से स्वीकृत किए गए हैं। शहर की मुख्य सड़क सिविल लाइन में पुराना रोडवेज के उत्तर तरफ नगरपालिका परिषद का एक शापिंग काम्प्लेक्स लगभग तैयार हो चुका है। तीन मंजिले इस भवन में 22 दुकानें हैं। ऊपरी ढांचा नगरपालिका ने संवार दिया हैं। अंदर कुछ काम बाकी है। इससे कम से कम 22 परिवारों की रोजी का प्रत्यक्ष इंतजाम हो जाएगा। अप्रत्यक्ष रूप से अनेक परिवारों की आजीविका चल सकती है। नगरपालिका परिषद स्ट्रीट वेंडरों के कामकाज को और व्यवस्थित कर उनका जीवन सुधारने की तैयारी में है। इसके तहत पंडित दीनदयाल पार्क नई कालोनी के पश्चिम ओर सड़क किनारे वेंडिंग जोन बनाया जाना है। यहां अभी दुकान लगाने वालों के लिए शेडयुक्त वेंडिग एरिया उपलब्ध कराया जाएगा। इसी तरह भुजौली कालोनी के चटोरी पार्क के किनारे शेड डालकर वेंडर्स के लिए सुविधाजनक माहौल बनाया जाएगा। इससे बारिश, धूप, शीत आदि में भी व्यवसाय करना सहज हो जाएगा।

नए साल में शहरियों को वर्षों से लंबित मांग पूरी होने वाली है। भीखमपुर रोड के उत्तर तरफ के मुहल्ले का पानी तीस फीट रोड से होते हुए आगे सिंचाई वाली नहर के पास खुले में छोड़ दिया जाता था। इससे खाली प्लाट जलमगन हो जाते थे। इससे निजात पाने के लिए नगरपालिका नहर के नीचे से साइफन बनाकर कांची नाले में शहर का पानी ले जाने के प्रस्ताव को शासन से मंजूरी मिल गई है। वर्ष 2025 में यह पूरा हो जाने की उम्मीद है। इससे जलनिकासी की बढ़ी समस्या से निजात मिल जाएगी। नगरपालिका की गाड़ियों के लिए एमआरएफ सेंटर भुजौली कालोनी में वाशिंग सेंटर बनाया जाएगा।

# कमरे में फांसी के फंदे से लटकी मिली युवक की लाश

**संवाददाता–श्रावस्ती।** संदिग्ध परिस्थितियों में 22 वर्षीय युवक श्यामू की लाश उसके कमरे में फांसी के फंदे से लटकी पाई गई। पिता ने पुलिस को सूचना दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की लाश उसके कमरे में फांसी के फंदे से लटकी पाई गई। पिता की ओर से घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नवीन माडर्न थाना श्रावस्ती क्षेत्र के ग्राम तिलकपुर निवासी श्यामू (22) पुत्र गंगाराम शनिवार देर शाम को खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। रविवार सुबह देर तक वह कमरे से बाहर नहीं आया तो पिता गंगाराम दरवाजा खटखटाने लगे। लेकिन अन्दर से कोई जवाब नहीं मिला। इस पर पिता को अनहोनी की आशंका हुई और उन्होंने रमवापुर पुलिस चौकी की पुलिस को सूचित किया। सूचना पर पुलिस व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। परिजनों की मौजूदगी में पुलिस की ओर से दरवाजा खुलवाया गया तो छत के कुंडे से फांसी के फंदे पर श्यामू की लाश लटक रही थी। जिसे देखते ही पिता रोने चिल्लाने लगा। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता ने बताया कि श्यामू गुजरात के सूरत में रहकर मजदूरी करता था। 10 दिन पहले वह सूरत से वापस घर आया था। चार दिन पहले श्यामू अपनी पत्नी रूबी को उसके मायके छोड़ आया था।

# तीन वांछित अभियुक्तों को पुलिस ने दबोचा

**संवाददाता–बलरामपुर।** थाना ललिया पुलिस ने तीन वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी अलग–अलग मामले में न्यायालय से वांछित चल रहे थे। ललिया प्रभारी निरीक्षक बृजानन्द राय ने बताया कि जान से मारने का प्रयास एवं गैंगस्टर एक्ट में इस्लाम पुत्र अलीरजा निवासी झांगीडीह, ईसी एक्ट में रक्षाराम पुत्र रामरुप निवासी झरिहरडीह व लापरवाही से किसी की मौत होने के मामले में राजेन्द्र प्रसाद पुत्र अंगनू निवासी लालपुर कंजेभरिया वांछित चल रहे थे। जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों को न्यायालय भेजा गया है।

# शिकायतकर्ता ही निकला चोर, पुलिस ने किया गिरफ्तार

**संवाददाता–बलरामपुर।** ई–रिक्शा बैटरी चोरी होने का फर्जी मुकदमा लिखाकर इंश्योरेंस का लाभ लेने का प्रयास करने वाले शिकायतकर्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से चोरी की दोनों बैटरी भी पुलिस ने बरामद की है। क्षेत्राधिकारी बृजनंदन राय ने बताया कि पहलवारा निवासी गोलू यादव पुत्र बंशीलाल ने थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के कल भट्ठा के पास से ई–रिक्शा की दो बैटरी व एक मोबाइल चोरी होने का प्रार्थना पत्र दिया था। शिकायतकर्ता की तहरीर पर थाना कोतवाली देहात में चोरी का अभियोग पंजीकृत किया गया था। उन्होंने बताया कि सूचना मिली कि गोलू यादव ने भीखपुर रोड चकवा कल्ला भट्ठा निकट बालाजी ट्रेडर्स के पास चोरी की बैटरी को छिपा रखा है। उन्होंने बताया कि उप निरीक्षक रामकुमार वर्मा, हेड कांस्टेबल अमजद खान, छोटे लाल यादव, अनुज कुमार दीक्षित ने मौके पर जाकर चोरी की बैटरी बरामद कर ली। उन्होंने बताया कि गांव के लोगों ने भी मामले की जानकारी दी। सीओ बृजनंदन राय ने बताया कि शिकायतकर्ता गोलू यादव ने भी स्वीकार किया है कि लालच में आकर इंश्योरेंस का लाभ लेने के लिए यह कार्य किया है।

# शिविर में 170 लोगों के आंखों की हुई जांच

**संवाददाता–श्रावस्ती।** सीतापुर आंख अस्पताल की ओर से रविवार को निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नेत्र चिकित्सकों की ओर से 170 लोगों के आंखों की जांच की गई। जिसमें से 85 लोगों को आपरेशन के लिए सीतापुर ले जाया गया। नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन जमुनहा तहसील क्षेत्र के सेठ प्रभुदास निरंजन कुमार मेमोरियल इंटर कॉलेज नासिरगंज में हुआ। शिविर का शुभारंभ पूर्व सांसद व वर्तमान अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा ने फीता काटकर किया। शिविर में चिकित्सकों की ओर से 170 लोगों के नेत्र का परीक्षण किया गया। जिसमें से 85 लोगों की आंखों में समस्या होने पर उन्हें आपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। साथ ही चिन्हित सभी लोगों को आपरेशन के लिए सीतापुर अस्पताल ले जाया गया। इसके साथ ही चिकित्सकों की ओर से आंखों की देखभाल आदि संबंधी परामर्श भी दिए गए। मुख्य अतिथि दद्दन मिश्रा ने आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज के गरीब और जरूरतमंद वर्ग को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण जरिया है। समाजसेवी सुरेश रिजवानी ने कहा कि ऐसे गरीब व्यक्ति जो पैसों के अभाव में अपने आंखों का इलाज नहीं करा पाते। उन लोगों के लिए यह शिविर बेहद मददगार है। इस मौके पर हरीश जायसवाल, उदयराज, संतोष कुमार, तीरथ राम, विजय गुप्ता, सुरेश पासवान, रमेश गौतम, पवन कुमार वर्मा, राजेश कुमार सहित सीतापुर आंख अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

# अवैध अस्पतालों की शिकायत करने वाले ही किये जा रहे परेशान

**संवाददाता–कुशीनगर।** बिना पंजीयन धड़ल्ले से संचालित किए जा रहे निजी अस्पतालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की तरफ से अभियान चलाने का असर नहीं दिख रहा है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि तमकुहीराज कस्बे में संचालित अवैध अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई से परहेज करने वाला स्वास्थ्य विभाग शिकायत के बाद उल्टे उनसे ही अवैध संचालन के खिलाफ साक्ष्य मांग रहा है। इसके अलावा उन्हें सीएमओ कार्यालय में तलब कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों के इस रवैये के खिलाफ शिकायतकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। तमकुहीराज कस्बे में बिना पंजीयन बहुत से अवैध अस्पताल संचालित हो रहे हैं। आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से विभाग की अधिकारिक वेबसाइट पर हॉस्पिटल पंजीयन का आवेदन कर दिया जा रहा है। उसके बाद रजिस्ट्रेशन मिले बिना ही धड़ल्ले से निजी अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं। इनके खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं करने से अवैध अस्पतालों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे अस्पतालों की संख्या में इजाफा होने के साथ ही अयोग्य चिकित्सकों द्वारा मरीजों की सर्जरी करने से मृत्यु दर में इजाफा हो रहा है। ऐसी दशा में क्षेत्र के कई लोगों ने ऐसे निजी अस्पतालों को चिह्नित कर उनके खिलाफ विभाग से कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता आनंद, मनोज, रविन्द्र आदि का आरोप है कि फर्जी ढंग से नामीगिरामी चिकित्सकों के नाम का दुरुपयोग करते हुए बड़े बड़े बोर्ड एवं बैनर लगाकर तमकुहीराज कस्बा एवं आसपास के क्षेत्रों में अवैध ढंग से एक दर्जन से अधिक अवैध अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं। इन अस्पताल संचालकों द्वारा मरीजों को झांसे में लेकर उनकी सर्जरी एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

इसके फलस्वरूप आए दिन कस्बे के इन अस्पतालों में मरीजों की मौत हो रही है। इन अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं, लेकिन वे स्वतः संज्ञान लेकर इन अमान्य अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई करने से परहेज कर रहे हैं। आरोप है कि इन अस्पतालों की शिकायत करने पर शिकायतकर्ताओं से ही उनके संचालन के संबंध में साक्ष्य मांगा जा रहा है। इससे नाराज होकर शिकायतकर्ताओं ने तमकुहीराज कस्बा एवं आसपास के क्षेत्र में धड़ल्ले से संचालित हो रहे अवैध अस्पतालों की फोटो एवं वीडियो साक्ष्य के रूप में संलग्न कर मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

# कंट्रोल रूम की सूचना पर लकड़ी लदे ट्रक को पुलिस ने घेरकर पकड़ा

**संवाददाता–महराजगंज।** परतावल के मुख्य चौराहे पर जिला नियंत्रण कक्ष से वायरलेस पर सूचना पर शनिवार को आधी रात श्यामदेउरवा थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह व परतावल चौकी इंचार्ज मनीष पटेल ने घेराबंदी कर लकड़ी लदे ट्रक को पकड़ा। थोड़ी देर बाद वन विभाग की टीम भी ट्रक का पीछा करते हुए पहुंच गई। लकड़ी लदे ट्रक को चालक समेत कब्जे में लेकर पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया। ट्रक पर 175 बोटा सागौन व शीशम लदा था। परतावल चौराहा पर शनिवार को आधी रात श्यामदेउरवा थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह व परतावल चौकी इंचार्ज मनीष पटेल पुलिस कर्मियों के साथ मौजूद थे। उसी दौरान पुलिस कंट्रोल रूम से डेल्टा ने आरटी सेट के जरिए सूचना दी कि पनियरा की तरफ से लकड़ी लदा गोरखपुर नंबर का ट्रक परतावल की तरफ आ रहा था। वन विभाग की टीम ट्रक का पीछा कर रही है, लेकिन चालक खतरनाक ढंग से ट्रक चलाते हुए वन विभाग की टीम को आगे बढ़ने नहीं दे रहा है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष व चौकी इंचार्ज एक्शन मोड में आ गए। थानाध्यक्ष अपनी गाड़ी लेकर पनियरा रोड की तरफ बढ़े और मोर्चा संभाल लिया। परतावल चौराहा पर उसी दौरान भूसा लदा ट्रक आ गया। चौकी इंचार्ज ने भूसा लदे ट्रक को रोक मेन चौराहा पर खड़ा कराकर पनियरा रोड को ब्लाक करा दिया। थोड़ी देर बाद लकड़ी लदा ट्रक भी परतावल चौराहा के समीप आ गया। मेन चौराहा पर भूसा लदे ट्रक को खड़ा देख आगे नहीं बढ़ पाया। चालक ट्रक रोक कूद कर भागने लगा, पर मुस्तैद पुलिस कर्मियों ने उसे दबोच लिया।

पकड़े गए ट्रक के बारे में बताया जा रहा है कि वह फरेंदा क्षेत्र से आ रहा था। कैम्पियरगंज से पनियरा मार्ग पर मुड़ गया। उसी दौरान वन विभाग भी मुखबिर की सूचना पर ट्रक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ट्रक की रफ्तार को बढ़ाकर भागने लगा। वन विभाग ने ट्रक को आगे से घेर रोकने के लिए मदद मांगा। वन विभाग की सूचना पर जनपदीय नियंत्रण कक्ष(डीसीआर) ने परतावल चौकी व श्यामदेउरवा पुलिस को अलर्ट कर दिया। पुलिस की सक्रियता से लकड़ी लदा ट्रक चालक समेत पकड़ा गया। ट्रक पर तिरपाल के नीचे लकड़ी ढका था। मौके पर पहुंचे रेंजर परतावल विजय कुमार मौर्य ने ट्रक को कब्जे में ले लिया। चालक ने पूछताछ में अपना नाम बृजमोहन चौहान पुत्र गोरख चौहान बताया। वह प्रेमनगर पिपरा थाना कसया जनपद कुशीनगर का रहने वाला है। उसका सहकर्मी संजय पाण्डेय पुत्र दीनानाथ पाण्डेय ग्राम सुहिला कैम्पियरगंज थाना कैम्पियरगंज जनपद गोरखपुर का निवासी है। ट्रक पर लदे लकड़ी का वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। वन विभाग से सूचना मिली थी लकड़ी लदा एक ट्रक पनियरा की तरफ से परतावल की तरफ भागते हुए जा रहा है। इस सूचना पर परतावल चौकी व श्यामदेउरवा पुलिस को निर्देश दिया गया। परतावल चौराहे पर लकड़ी लदे ट्रक व चालक समेत दो आरोपितों को पकड़ अग्रिम कार्रवाई के लिए वन विभाग को सुपुर्द कर दिया गया।

# स्वदेशी मेला का उद्देश्य देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है –गिरीशपति त्रिपाठी




**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

अयोध्या।अयोध्या स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत राम कथा पार्क अयोध्या में 5 जनवरी से 12 जनवरी 2024 तक स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया है। मेला के आयोजन को लेकर मेला स्थल पर रविवार 29 दिसंबर को मंच के सदस्यों एवं स्वदेशी मेला आयोजन समिति द्वारा संयुक्त रूप से भूमि पूजन किया गया। अयोध्या के महापौर गिरीशपति त्रिपाठी एवं मेला सचिव जयप्रकाश सिंह द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोंउपच्चर द्वारा भूमि पूजन सम्पन्न हुआ।

महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमें देशभर के कई कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे तथा मेले में देशभर की स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शनी तथा विक्रय भी किया जाएगा छोटे बच्चों के लिए कुछ झूलों की व्यवस्था भी है।

भूमि पूजन के बाद स्वदेशी जागरण मंच के राजीव कुमार ने बताया कि मेला के आयोजन का उद्देश्य लोकल उत्पाद को बढ़ावा देना है। अयोध्या में लग रहे स्वदेशी मेले का यह आयोजन स्वावलंबी भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न 20 संगठनों के द्वारा संयुक्त प्रयास होगा है।मेला सचिव जेपी सिंह ने कहा स्वदेशी वस्तुओं के प्रति लोगों में आकर्षण पैदा करने के साथ–साथ छोटे उद्यमियों को एक प्लेटफार्म मुहैया कराने के अलावे आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना ही स्वदेशी जागरण मंच का मुख्य उद्देश्य है।

मेला सहसंयोजक चंद्रशेखर तिवारी ने बताया मेला के दौरान प्रतिदिन विभिन्न प्रतियोगिताओं सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। जिसके तहत बाल संसद प्रतियोगिता, नेत्र जांच शिविर, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, भाषण व हस्तकला प्रतियोगिता, रंगोली व रक्तदान के अलावे कवि सम्मेलन व भजन संध्या का भी आयोजन किया गया है।इस अवसर पर इंजीनियर रवि तिवारी, सत्येंद्र कसौधन,मेला सह सचिव प्रवीण सिंह,सलिल अग्रवाल,विपनेश पाण्डेय,सांस्कृतिक प्रमुख बृजमोहन तिवारी, विवेक पांडे ,जितेंद्र यादव, राधेश्याम यादव,मेला स्थल सचिव अनिरुद्ध पांडे, पुष्कर दत्त तिवारी, सौरभ मिश्रा, डॉ उपेंद्र मणि त्रिपाठी,आभा सिंह, माता प्रसाद वर्मा,मदनमोहन शुक्ला,धर्मवीर सिंह,सुजीत पांडेय,सत्यप्रकाश श्रीवास्तव,पवन पांडेय आदि स्वदेशी जागरण मंच एवं मेला समिति के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# मां के साथ जा रही बच्ची को ट्रक ने कुचला दर्दनाक मौत

**संवाददाता–गोण्डा।** जिले के आर्यनगर करनैलगंज मार्ग पर स्थित बनगाई के पास अपनी मां के साथ शौच के लिए जा रही 4 वर्षीय बालिका को ट्रक ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतका के बाबा कमर अली ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। चौकी प्रभारी आर्यनगर अवनीश कुमार शुक्ला ने बताया कि कौड़िया थाना क्षेत्र के आर्यनगर करनैलगंज मार्ग पर बनगाई गांव के तालाब के पास गांव के ही हसन मोहम्मद का 4 वर्षीय पुत्री सितारुन निशा घर से शौच के लिए जा रही थी। सड़क पार करते समय करनैलगंज से आर्यनगर की तरफ जा रही ट्रक ने उसे कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर मृत्यु हो गई। लड़की के मृत्यु की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। और परिवार के लोगों का रो–रो कर बुरा हाल हो गया। इसकी सूचना मृतक के बाबा कमर अली ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना कौड़िया ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में मृतक बालिका के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

# नौ बोटा साखू बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

**संवाददाता–श्रावस्ती।** जंगल से काटकर साखू की लकड़ी ट्रैक्टर ट्राली में लादकर ले जाई जा रही थी। इस दौरान मुखबिर ने पुलिस को सूचित कर दिया। सूचना पर पुलिस टीम ने ट्रैक्टर ट्राली समेत लकड़ी को पकड़ लिया और मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सिरसिया थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति रविवार तड़के ही ट्रैक्टर ट्राली में साखू की लकड़ी लादकर ले जा रहा था।

इस दौरान सिरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सरोज टीम के साथ अपराधियों की धरपकड़ के लिए क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। मुखबिर ने प्रभारी निरीक्षक को सूचना दी कि एक व्यक्ति ट्रैक्टर ट्राली में अवैध कटान कर साखू की लकड़ी लादकर ट्रैक्टर ट्राली से तेंदुआ रतनपुर तिराहे से चौबेपुरवा की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ लिया। तलाशी ली गई तो ट्राली में नौ बोटा साखू बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली समेत लकड़ी को कब्जे में ले लिया। साथ ही मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान ओमकार पासवान पुत्र मंशाराम निवासी ग्राम चौबेपुरवा रानीपुर थाना सिरसिया के रूप में हुई। आरोपी के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक के साथ उपनिरीक्षक विशाल यादव, मुख्य आरक्षी मदन मोहन सिंह व आरक्षी राजपाल वर्मा शामिल रहे।

# सड़क पटरियों को स्वयं करें खाली, अन्यथा होगी कार्रवाई

**संवाददाता–बलरामपुर।** नवागत प्रभारी निरीक्षक उतरौला अवधेश राज सिंह ने नगर के रविवार को मुख्य बाजार का पैदल गस्त किया। इस दौरान उन्होंने सड़क पटरियों पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए हिदायत दी। कहा कि भविष्य में यदि कोई सड़क पटरियों पर अतिक्रमण करते हुए पाया गया तो उनके विरूद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए चालान किया जाएगा। सड़क पटरियों पर किए गए अतिक्रमण को दुकानदार स्वयं हटा लें, अन्यथा अभियान के दौरान पारिश्रमिक उन्हीं से वसूलते हुए चालान की कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर कस्बा चौकी सुभाष नगर इंचार्ज स्वतंत्र देव गुप्ता एवं पुलिस व महिला आरक्षी मौजूद रहे।

# श्रीमद् भागवत में महात्मा की कथा सुन मंत्र मुक्त हुए लोग

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

अयोध्या। श्री राम नगरी के स्थित तुलसी सत्संग भवन सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस की बेला में व्यास पीठ से डॉ.प्रभाकर शरण महाराज ने ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि नारद शिष्य ध्रुव ने अटल तपस्या से भगवान का मनमोह लिया। जिससे अपना और अपने परिवार का नाम अक्षय कर लिया। भागवत महामात्मय का प्रसंग आगे बढाध्ते हुए उन्होंने कहा कि भागवत ही भगवान है। भागवत भगवान का अक्षरावतार है। वक्ता श्रोता के धर्म को विवेचना करते हुए बताया कि वक्ता का चरित्र स्वच्छ होना चाहिए, वहीं श्रोता भगवान के प्रति समर्पित होना चाहिए। वक्ता प्रेरणा का पुंज होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान जीव का उद्धार करते हैं। उन्होंने कहा कि आप सब पर ठाकुर जी की कृपा है। जिसकी वजह से आप अवध धाम में कथा का आनंद ले रहे है। श्रीमद भगवत कथा का रसपान कर पा रहें हैं क्योंकि जिन्हें गोविन्द प्रदान करते है जितना प्रदान करते है उसे उतना ही मिलता है। कथा में यह भी बताया की अगर आप भागवत कथा सुनकर कुछ पाना चाहते हैं, कुछ सीखना चाहते है तो कथा में प्यासे बन कर आए, कुछ सीखने के उद्देश्य से, कुछ पाने के उद्देश्य से आएं, तो ये भागवत कथा जरूर आपको कुछ नहीं बल्कि बहुत कुछ देगी।मनुष्य जीवन विषय वस्तु को भोगने के लिए नहीं मिला है, लेकिन आज का मानव भगवान की भक्ति को छोड़ विषय वस्तु को भोगने में लगा हुआ है। उसका सारा ध्यान संसारिक विषयों को भोगने में ही लगा हुआ है।

मानव जीवन का उद्देश्य राम, कृष्ण प्राप्ति शाश्वत है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का उद्देश्य राम और कृष्ण को पाकर ही जीवन छोड़ना है और अगर हम ये दृढ़ निश्चय कर लेंगे कि हमें जीवन में कृष्ण को पाना ही है तो हमारे लिए, प्रभु से बढ़कर कोई और सुख, संपत्ति या सम्पदा नहीं है। इस अवसर पर बाल व्यास गोपालानंद महाराज एवं समस्त सत्संग परिवार उपस्थित रहे। ताकि विश्राम बेला पर यजमान अंजनी देवी आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया।

# चीनी मिल की जमीन होगी नीलाम, बकाया दिलाने के लिए प्रशासन का फैसला

**संवाददाता–कुशीनगर।** किसानों का बकाया दिलाने के लिए तहसील प्रशासन ने कप्तानगंज चीनी मिल की बसहिया उर्फ कप्तानगंज तथा दुबौली में स्थित तीन जमीनों को नीलाम करने का फैसला लिया है। एसडीएम ने नीलामी की तिथि 24 जनवरी तय करते हुए अधिसूचना जारी कर दी है। प्रशासन के मुताबिक मिल ने वादा करने के बाद भी बकाया 77 करोड़ का भुगतान नहीं किया। तीन साल पहले प्रशासन के दबाव बनाने पर प्रबंधन ने मिल में ताला लगा दिया था। तब प्रशासन ने मिल कुर्क कर ली थी।

उप जिलाधिकारी कार्यालय कप्तानगंज द्वारा बसहिया उर्फ कप्तानगंज स्थित एक अरब 11 करोड़ 17 लाख 77 हजार 500 रुपये और तीन करोड़ 93 लाख 30 हजार रुपये के साथ दुबौली में स्थित 34 लाख 8 हजार 600 रुपये मूल्य की तीन जमीनों को 24 जनवरी को नीलाम करने की अधिसूचना जारी की गई है। मिल पर करोड़ों रुपये का गन्ना मूल्य बकाया है। बताते हैं कि कप्तानगंज की कनोडिया चीनी मिल की ये जमीनें अरबों रुपये की हैं।

किसानों का 77 करोड़ रुपये बकाया दिलाने के लिए तहसील प्रशासन ने कप्तानगंज चीनी मिल की बसहिया उर्फ कप्तानगंज तथा दुबौली में स्थित तीन जमीनों को नीलाम करने का निर्णय लिया है। एसडीएम ने नीलामी की तिथि 24 जनवरी तय करते हुए अधिसूचना भी जारी कर दी है। बताते हैं कि चीनी मिल से इलाके के करीब 10,000 से अधिक गन्ना किसान जुड़े थे। मिल में कार्य करने वाले कामगारों की संख्या 1000 से अधिक है। पेराई सत्र 2022–23, 2023–24 और मौजूदा सत्र 2024–25 में भी मिल बंद है। इससे कस्बा और आसपास क्षेत्र की आर्थिक रूप से कमर टूट गई है।

चीनी मिल बंद होने से छोटे–मोटे चौक–चौराहों की भी रौनक खत्म हो गई है। पैसे के अभाव में लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चीनी मिल से जुड़े छोटे–मोटे कारीगर, कल पुर्जे के दुकानदार सहित चीनी मिल में काम करने वाले मजदूरों की स्थिति बेसहारों जैसी हो गई है। तहसील प्रशासन ने किसानों का बकाया भुगतान करने के लिए मिल प्रबंधन को दर्जनों बार चेतावनी नोटिस आदि दिया।

इस पर मिल ने कुछ भुगतान भी किया लेकिन 77 करोड़ रुपये अभी भी बकाया बताया जा रहा है। जानकारों के मुताबिक चीनी मिल की जमीन के रूप में अचल संपत्ति अगर नीलाम हो जाएगी तो मिल के पास केवल लोहा ही कप्तानगंज में शेष बचेगा। दूसरी तरफ चीनी मिल प्रबंधन हर हाल में मिल चलाने की जुगत में लगा है।

# मनमोहन सिंह के निधन पर हो रही राजनीति पर भड़के अवधेश प्रसाद, कहा– अधिक सम्मान देना चाहिए



**संवाददाता–अयोध्या।** देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का निधन 26 दिसंबर 2024 को हुआ। उनके निधन के बाद पुरे देश में शोक की लहर फैल गई। देश में सात दिन का शासकीय अवकास घोषित कर दिया गया। राजनीतिक गलियारों में उनके सम्मान की बात होने लगी और आरोप–प्रत्यारोप का सिलसिला जारी हो गया। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि उन्हें अधिक सम्मान देना चाहिए। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में देश की अर्थव्यवस्था में बुनियादी बदलाव लाए। इसके लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। उनके निधन के बाद जिस तरह की राजनीति हो रही है वो ऐसे महान व्यक्तित्व के लिए ठीक नहीं है।

अवधेश प्रसाद सिंह ने डॉ. मनमोहन सिंह को याद करते हुए कहा कि देश की आर्थिक स्थिति को सुधारने में उनका अहम योगदान रहा है। उनके निधन के बाद आरोप लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी ने उन्हें सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस पार्टी ने डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाया उनके सामान इससे बड़ा सबूत क्या हो सकता है।

अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद सिंह ने आगे कहा कि उनके निधन के बाद ऐसी बातें कहना अच्छा नहीं है। यदि देश में सुधारों के लिए उनसे प्रेरणा ली जाती तो यह उस महान शख्सियत का सम्मान होगा। आज देश में कई समस्याएं हैं जिन पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

# पारिवारिक कलह से परेशान होकर जान देने पहुंची बेलघाट की महिला

**संवाददाता–गोरखपुर।** खजनी थाना क्षेत्र के छताई पुल से एक महिला आमी नदी में कूद गई। महिला को पानी में कूदते देखकर होमगार्ड चंद्रकेश ने दो युवकों की मदद उसे बचा लिया। महिला को आनन फानन में खजनी पीएचसी ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसकी हालत में सुधार बताया है। स्थानीय लोगों ने होमगार्ड जवान के सक्रियता की तारीफ की है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे एक महिला छताई पुल पर पहुंची। वह इधर उधर टहलने के बाद आमी नदी में कूद गई। उधर से गुजर रहे होमगार्ड जवान चंद्रकेश ने उसे पानी में कूदते हुए देख लिया। होमगार्ड ने शोर मचाकर कुछ लोगों को बुलाया। आसपास के दो युवक पहुंचे। उनकी मदद से होमगार्ड ने महिला को पानी से निकाल लिया। पूछताछ में महिला की पहचान बेलघाट निवासी संतोष की पत्नी रिंकू देवी के रूप में हुई। पुलिस ने उसे परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। आशंका जताई जा रही है कि पारिवारिक कलह की वजह से महिला ने जान देने का प्रयास किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# किशोर कुणाल के निधन पर सीएम योगी ने जताया दुख, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के थे संस्थापक सदस्य

**संवाददाता–अयोध्या।** रामनगरी अयोध्या में धार्मिक न्यास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और पटना महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल का रविवार की सुबह निधन हो गया। हार्ट अटैक आने के बाद उन्हें फौरन महावीर वात्सल्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि पूर्व आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल को कार्डियक अरेस्ट आया है। अस्पताल जाने से पहले उन्होंने दम तोड़ दिया। 74 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से शोक की लहर दौड़ पड़ी है।

अस्पताल परिसर में आचार्य किशोर कुणाल के बेटे शायन कुणाल, बहू व सांसद शांभवी और समधी व मंत्री अशोक चौधरी फफक पड़े। बेटे और बहू का रो–रोकर बुरा हाल है। किशोर कुणाल ने राम मंदिर निर्माण के लिए 10 करोड़ का दान भी किया है। राम मंदिर से सटे अमावा मंदिर का संचालन भी महावीर ट्रस्ट की ओर से ही किया जाता है। यहां 2019 से ही राम रसोई का संचालन भी किशोर कुणाल की ओर से किया जा रहा है। रोजाना 5000 श्रद्धालु निशुल्क भोजन ग्रहण करते हैं। राम मंदिर के मुकदमे में भी किशोर कुणाल ने कई साक्ष्य प्रस्तुत किए थे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य, महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल जी के निधन पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने दुःख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि उनका निधन सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिन्तकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य, महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल जी का निधन अत्यंत दुःखद और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है।

# एक लाख की आबादी पर दो हजार लोगों की करें टीबी जांच

**संवाददाता–गोरखपुर।** जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी संजय कुमार मीना की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में हुई। बैठक में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिले में प्रति एक लाख की आबादी पर कम से कम दो हजार संभावित मरीजों की टीबी जांच अवश्य कराएं। यह लक्ष्य पूरा करने के लिए हाई रिस्क जनसंख्या जैसे बुजुर्गों, मधुमेह मरीजों, एचआईवी मरीजों, पूर्व के टीबी मरीजों और अति कुपोषित लोगों की टीबी जांच अवश्य कराई जाए। वहीं ओपीडी में आने वाले मरीजों में से टीबी के दस फीसदी संभावित मरीजों की जांच अवश्य हो। बैठक के दौरान, एड्स दिवस पर पोस्टर बनाकर जनजागरूकता का संदेश देने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

सीडीओ ने बिना सूचना बैठक से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया। सीडीओ ने कहा कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन पूरी गंभीरता से किया जाना चाहिए । ब्लॉक स्तर पर भी नियमित कार्यक्रमों की समीक्षा की जाए। जिन कार्यक्रमों के सूचकांकों में कोई सुधार नहीं दिख रहा है, वहां जवाबदेही तय कर संदेशात्मक कार्रवाई हो। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना, नियमित टीकाकरण कार्यक्रम, जिला क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की विस्तार से समीक्षा की। इस अवसर पर जिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ बीके सुमन, एसीएमओ डॉ एके चौधरी, डॉ नंदलाल कुशवाहा, डॉ गणेश यादव, डीएमओ अंगद सिंह, मौजूद रहे।

एचआईवी एड्स के प्रति जनजागरूकता में योगदान देने के लिए डीएवी डिग्री कॉलेज की छात्रा नीतू सिंह, दृष्टि गुप्ता और आदित्य श्रीवास्तव को सीडीओ ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कॉलेज के प्रोफेसर डॉ मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बच्चों के योगदान के बारे में जानकारी दी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ दूबे ने एडी गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा फलक खान, शीतल भारती, पल्लवी और पूजा शाही को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

# मेहदावल बाईपास चौराहे पर शुरू हुआ फव्वारा, बढ़ा आकर्षण

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** जिले में वर्ष 2024 जिला मुख्यालय की तस्वीर बदलने वाला रहा। शहर के सुन्दरीकरण पर विशेष जोर रहा। कुछ काम पूरे हो चुके हैं तो कुछ अभी चल रहे हैं। कई कार्य वर्ष 2025 में पूरे होंगे। जिला मुख्यालय स्मार्ट सिटी के साथ ही सभी सुविधाओं से सुसज्जित होने की ओर अग्रसर हैं। शहर का मुख्य चौराहा मेंहदावल बाईपास आकर्षक लाइटों, फव्वारा से चमक उठा है। फ्लाईओवर के रंगाई का कार्य अन्तिम दौर में है। फुटपाथ को भी सुसज्जित कर दिया गया है। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध बजट से ही शहर को स्मार्ट सिटी बनाने का संकल्प लेते हुए कार्य शुरू कराया तो धीरे–धीरे तस्वीर बदलने लगी। वर्ष 2024 में शहर को सीसीटीवी कैमरे से लैस करते हुए कलक्ट्रेट में कमांड रूम स्थापित कराया। जहां से पूरे शहर की निगरानी होती है। इसके साथ ही बदहाल मेंहदावल बाईपास चौराहे का कायाकल्प की कार्ययोजना बनी। बैंकों के सीएसआर फंड से यहां का विकास शुरू हुआ। पटरी दुकानों के लिए स्थान चिन्हित करते हुए डिवाइडर बनाया गया। इसके अलावा उस पर रेलिंग लगाते हुए आकर्षक रोड लाइट लगाने का काम भी पूरा



हुआ। मुख्य चौक पर फव्वारा भी बनकर तैयार हो गया और शाम के समय रंगीन लाइटों के साथ फव्वारा अब चलने लगा है। जो लोगों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। इसके साथ ही फ्लाईओवर के नीचे भी कार्य चल रहे हैं। फ्लाईओवर की रंगाई पुताई अंतिम दौर में है। रंगाई पूरा होने के बाद यहां पर यात्रियों के बैठने और उनके लिए जरूरी सुविधाएं भी दी जाएंगी। फ्लाईओवर पर तरह–तरह के स्लोगन लिखवाए जा रहे हैं।

शहर के सुन्दरीकरण अभियान में वर्ष 2025 में कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे। जिसकी ओर कार्य शुरू हो गया है। शहर में सभी चौराहों पर ट्रैफिक लाइट लगाई जाएगी। इसके अलावा आजाद चौक, नेहरू चौक, बैंक चौराहा, डीघा चौराहा का भी सुन्दरीकरण कराया जाएगा। आजाद चौक पर भी फव्वारा लगाया जाएगा। इसके अलावा पूरे शहर में पटरी दुकानों को व्यवस्थित करते हुए डिवाइडर बनाया जाएगा। जिससे पटरी पर लगने वाली दुकानें रोड पर न लगें। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने शहर की सड़कों से जाम हटाने के लिए सभी टैक्सी स्टैंड के लिए भूमि चिन्हित कराने का कार्य शुरू कर दिया है। मेंहदावल की ओर जाने वाले वाहनों के लिए पीडब्लूडी कार्यालय के पास टैक्सी स्टैंड बनाया जा रहा है। इसका कार्य शुरू भी हो गया है जो जल्द ही पूरा हो जाएगा। इसके अलावा अन्य टैक्सी स्टैंड के लिए भी भूमि की तलाश अन्तिम दौर में है।

# नए साल के आगमन–पुराने की विदाई के जश्न पर पुलिस भी अलर्ट

**संवाददाता–गोरखपुर।** नव वर्ष 2025 के आगमन और 2024 की विदाई के जश्न में किसी के साथ अभद्रता न हो इसके लिए पुलिस शनिवार से अलर्ट हो गई है। शनिवार की रात से चेकिंग शुरू हो गई यह एक जनवरी तक चलेगी। इस दौरान ड्रंक एंड ड्राइव के साथ कार बार को लेकर पुलिस सबसे ज्यादा अलर्ट रहेगी इसके लिए नए साल के कार्यक्रम के दौरान किसी के साथ अभद्रता न हो इसके लिए भी पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने नव वर्ष 2025 की तैयारियों के संबंध में एसपी सिटी, एसपी नॉर्थ, एसपी साउथ, एसपी ट्रैफिक, एसपी सिक्योरिटी के साथ ही सभी एएसपीक्षेत्राधिकारी और थानाध्यक्ष, थाना प्रभारी व अन्य अधिकारियों के साथ ऑनलाइन गोष्ठी की और उसके बाद देर शाम से चेकिंग शुरू करा दी। देर रात तक चेकिंग जारी रही। इस दौरान कई लोगों पुलिस ने पकड़ा और हिदायत देकर छोड़ा।

सभी थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों एवं धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों की सूचना संकलित कर एक जनवरी तक पुलिस चेकिंग करती रहेगी। एसएसपी ने सभी थानेदारों से कहा कि आयोजन के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर लूट, छिनैती तथा महिला संबंधी अपराधों पर निगरानी और रोकथाम के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करें शोहदों, मनबढ़ों एवं आपराधिक किस्म के लोगों से निपटने के लिए आयोजन के दौरान दृष्टि बनाए रखने के लिए सादे कपड़ों में महिला और पुरुष कांस्टेबल तैनात करने को कहा है। गेस्ट हाउस, होटल, धर्मशाला की चेकिंग कराने का भी निर्देश दिया गया है। बताया कि यातायात व्यवस्था के सुचारु रूप से चलाने के लिए और ड्रंक एंड ड्राइव, कार बार (चार पहिया वाहनों में बैठा कर शराब पीने) वालों से निपटने के लिए रात्रि के समय ब्रीथ एनालाईजर से चेकिंग की जाए। एसएसपी ने कहा कि नगर क्षेत्र के सभी थानों पर एवं मुख्य मार्गों से शहर में आने–जाने वाले रास्तों पर जीगजैग चेकिंग की कार्यवाही के साथ थाना क्षेत्रों में संवेदनशील स्थानों पर मोटरसाइकिल गश्त बढ़ाई दी गई है, जिससे आपराधिक घटनाओं एवं महिला संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। हुटर, सॉयरन, तेज हॉर्न का गलत प्रयोग करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

# कागजात सही करने में जुटे रहे प्रधान–कोटेदार

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** कपिलवस्तु में रविवार को जनपद स्थापना दिवस कार्यक्रम चल रहा है। कार्यक्रम में मौजूद डीएम डॉ. राजा गणपति आर कार्यक्रम समाप्त होने के बाद किधर से गुजरेंगे यह कोटेदार, प्रधान, सचिव, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक आदि पता नहीं था। इस डर में लोग हाजिरी से लेकर अंगूठा लगवाकर कागज सही करने में जुटे रहे। क्षेत्र के भुजौली, बूड़ा, खैराटी, सेमरी, झंगटी, बगही, दुल्हा सुमाली, दुल्हा खुर्द आदि गांव के कोटेदार व प्रधान डीएम के समक्ष अपने पक्ष में बोलने के लिए 15 से 20 करीबी लोगों को जुटा रखे थे, ताकि सवाल के जवाब में पक्ष में आवाज सुनाई दे। हालांकि डीएम कपिलवस्तु से पिपरसन गांव के लिए चले गए। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

## सोमवती अमावस्या आज, पीपल के पेड़ की पूजा से आती है खुशहाली

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व है। सोमवती अमावस्या सोमवार को मनाया जाएगा। सोमवती अमावस्या विशेष रूप से सुख, शांति और समृद्धि प्राप्ति के लिए अच्छा माना जाता है। इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में खुशहाली और समृद्धि की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। ये बातें कस्बा निवासी पंडित रवि प्रकाश पाण्डेय ने कहीं। उन्होंने कहा कि पीपल का पेड़ भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि इसे मोक्षदायिनी और इस पर देवताओं का वास माना जाता है। इस दिन पीपल के पेड़ में कुछ विशेष वस्तुएं चढ़ाने से व्यक्ति को आत्मिक और भौतिक दोनों तरह के लाभ मिलते हैं। सोमवती अमावस्या 30 दिसंबर को है। अमावस्या 30 दिसंबर को तड़के 4रू02 बजे लगेगी जो 31 दिसंबर तड़के 3रू57 बजे तक रहेगी। पौष महीने की अमावस्या सोमवार को पड़ने से इसका महात्म्य सौगुना बढ़ गया है। इस तिथि पर श्रीहरि विष्णु व देवाधिदेव महादेव का पूजन करने से विशेष फल की प्राप्ति होगी।

# पांच सौ करोड़ से सिद्धार्थनगर के विकास को मिलेगा नया आयाम

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** जनपद बनने के 36 वर्षों में विकास को गति तो मिली पर अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। जिले के विकास में निश्चय ही कपिलवस्तु में संचालित योजनाएं, स्वीकृत परियोजनाएं अहम हैं। आने वाले समय में कपिलवस्तु को पर्यटन के मानचित्र पर पहुंचाने की दिशा में भारत सरकार की ओर से पांच सौ करोड़ का पैकेज दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास होगा। जल्द ही केंद्रीय पर्यटन मंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में विकास को नए आयाम दिए जाएंगे। ये बातें भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने रविवार को कपिलवस्तु में जनपद के 36वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। सांसद ने कहा कि जनपद स्थापना के 36 वर्ष हो गए हैं। जनपद का सृजन 29 दिसम्बर 1988 को बस्ती से कटकर हुआ है। उस समय बस्ती में विधायक था। यहां आने में बड़ी कठिनाई होती थी। उस समय तत्कालीन सीएम नारायण दत्त तिवारी के सानिध्य में जनपद का सृजन कराने में भूमिका निभाई। भारत सरकार की ओर से 24 करोड़ की लागत से विपाशना केंद्र की स्थापना कराया जा रहा है। आने वाले समय में हवाई सेवा, बुद्धा थीम पार्क के संचालन के बाद बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर श्रावस्ती की तरह कपिलवस्तु समेत जनपद का भी विकास होगा। कार्यक्रम को विधायक श्यामधनी राही, डीएम डॉ. राजा गणपति आर, एसपी डॉ. अभिषेक महाजन, भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने भी संबोधित किया। इस मौके पर साकेत मिश्र की ओर से प्रस्तुत कपिलवस्तु गीत की खूब प्रशंसा हुई। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष नरेन्द्र मणि त्रिपाठी, एसपी अग्रवाल, संतराम चौधरी, केशभान यादव, अमित उपाध्याय, नितेश पांडेय, ईओ नवीन सिंह, विकास पांडेय आदि मौजूद रहे।

भगवान बुद्ध के बचपन नाम सिद्धार्थ के नाम पर बने सिद्धार्थनगर जनपद के 36वें स्थापना दिवस के मौके पर परंपरा के तहत शहर के साड़ी तिराहा पर बुद्ध की प्रतिमा पर सांसद जगदंबिका पाल, विधायक श्यामधनी राही, डीएम डॉ. राजा गणपति आर, एसपी डॉ. अभिषेक महाजन की मौजूदगी में माल्यार्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इसके अलावा सिद्धार्थ तिराहा, बर्डपुर कस्बे में बुद्ध चौराहे पर स्थापित बुद्ध की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण किया गया। एडीएम उमाशंकर, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. जीवन लाल, अधिशासी अधिकारी विंध्याचल आदि मौजूद रहे।

जनपद के 36वें स्थापना दिवस के मौके पर कपिलवस्तु में पूजन–अर्चन कार्यक्रम में कुशीनगर, बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लगभग सात सौ भंते के बीच सांसद जगदंबिका पाल, विधायक श्यामधनी राही, डीएम डॉ. राजा गणपति आर, एसपी डॉ. अभिषेक महाजन, भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान की उपस्थिति में कंबल का वितरण किया गया। जनपद के 36वें स्थापना दिवस के मौके पर बर्डपुर चौराहा समेत कपिलवस्तु स्थित मुख्य स्तूप के समक्ष शिवपति इंटर कॉलेज शोहरतगढ़, बुद्ध विद्यपीठ इंटर कॉलेज बर्डपुर, नवज्योति इंटर कॉलेज के एनसीसी बच्चों ने सुरक्षा में अहम भूमिका निभाते हुए अतिथियों का स्वागत किया। जबकि शिवपति इंटर कॉलेज शोहरतगढ़ की बच्चियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

# मातृ–शिशु मृत्यु की पत्रावली न दिखाने पर अधीक्षक को फटकार

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) की बैठक में डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने मातृ–शिशु मृत्यु की पत्रावली न दिखाने पर लोटन अधीक्षक को जमकर फटकार लगाई। टीबी कार्यक्रम में ब्लॉक के फिसड्डी होने पर सुधार करने की हिदायत दी। वहीं वार रूम को स्टेबलिस करने की बजाए स्टॉफ नर्स को मोबाइल देते फोटो भेजने पर बसंतपुर बांसी अधीक्षक को खरीखोटी सुनाई। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक प्रारंभ होने पर डीएम ने लोटन सीएचसी के अधीक्षक से मातृ–शिशु मृत्यु की पत्रावली तलब किया। अधीक्षक संबंधित पत्रावली नहीं दिखा सके। राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत समीक्षा में लोटन ब्लॉक फिसड्डी रहा। ब्लॉक का हाल खस्ता होने पर डीएम ने अधीक्षक को जमकर फटकार लगाते हुए कार्यों को बेहतर करने का निर्देश दिया। डीएम ने साफ तौर पर कहा कि कार्यों में सुधार न होने पर कार्रवाई तय है। नौगढ़ ब्लॉक पीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारियों को भी कार्यों में सुधार करने की हिदायत दी। समीक्षा के दौरान डीएम ने बसंतपुर सीएचसी पर किए गए औचक निरीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं के परामर्श के लिए वाररूम बनाने का निर्देश दिया गया था। निरीक्षण के दौरान वाररूम बेहतर ढंग का नहीं मिला। इसे स्टेबलिस करने की बजाए वार रूम के लिए तैनात की गई स्टॉफ नर्स को मोबाइल देते हुए फोटो डाला जा रहा है।

# राम मंदिर को आकाशीय बिजली से बचाने के लिए होंगे खास इंतजाम



**संवाददाता–अयोध्या।** राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर परिसर में चल रहे सभी निर्माण कार्य मार्च से जुलाई के बीच में पूरे हो जाएंगे। केवल परकोटा के निर्माण का काम अक्तूबर तक चलेगा। मंदिर का निर्माण कार्य मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा। शिखर का निर्माण सबसे चुनौती पूर्ण है।

शिखर पर मंदिर को आकाशीय बिजली से सुरक्षित रखने के लिए तड़ित चालक भी लगाया जाएगा। इसके लिए तांबे के 28 तार शिखर से जमीन तक डाले जाएंगे। इसके ऊपर एक यंत्र भी लगाया जाएगा। लोअर प्लिंथ में अब तक 60 म्यूरल लगाने की तैयारी हो चुकी है। इस पर ड्राइंग का काम पूरा कर लिया गया है। अब तक 21 म्यूरल बनकर आ गए हैं।

इसके अलावा भूतल, प्रथम व द्वितीय तल के गर्भगृह का जो प्रदक्षिणा यानि परिक्रमा पथ है, वहां विशेष जालियों का निर्माण किया जा रहा है। इसका निर्माण टाइटेनियम से हो रहा है। कुल 30 जालियों का निर्माण रक्षा मंत्रालय की संस्था कर रही है।

## नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के महत्व पर विचार करना जरूरी

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** व्यक्ति जब किसी कार्य को पूरा करने में लगता है तो पूरी कायनात उस कार्य को करने में मदद करती है। प्रतिभागियों को अपनी क्षमता, आत्म–साक्षात्कार एवं प्राथमिकता को पहचानकर नेतृत्व को अपनाने के लिए सतत प्रयास करना चाहिए। कड़ी मेहनत की बजाए स्मार्ट वर्क रणनीतियों को अपनाने, निर्णय लेने और पेशेवर आचरण में नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के महत्व पर विचार करना जरूरी है। ये बातें सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.कविता शाह ने सिद्धार्थ विवि में दो दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम में कहीं।

उन्होंने नेतृत्व के थ्री सी अर्थात रचनात्मक, संचार और सहयोग पर प्रकाश डालते हुए व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता को आकार देने में आकर्षण के नियम की चर्चा की। डिप्टी रजिस्ट्रार डीएन यादव ने कहा कि सभी को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और उच्च शिक्षा में चुनौतियों का सामना करने के लिए कौशल और रणनीतियों में विविधता लानी चाहिए। संयुक्त समन्वयक डॉ. मनीष शर्मा की ओर से विषय प्रस्तावना एवं स्वागतोद्बोधन प्रस्तुत किया गया। रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. सुनील श्रीवास्तव और वनस्पति विज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. आशुतोष वर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। सत्र में पर्यावरण के अनुकूल और संसाधन–कुशल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए परिसरों में उनके एकीकरण पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शिवम शुक्ल ने किया। इस अवसर पर कला संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. नीता यादव, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. प्रकृति राय, डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. लक्ष्मण सिंह आदि मौजूद रहे।

## पीड़ित का बयान लेने के लिए जांच टीम करती रही इंतजार, नहीं पहुंचे लोग

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** संतकबीरनगर जिले के चुरेब प्रकरण में सीएमओ द्वारा गठित की गई जांच कमेटी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुरेब पर पीड़ित पक्ष का बयान लेने के लिए गई थी। कमेटी के अध्यक्ष द्वारा संबंधित को कई बार फोन किया लेकिन वह घंटों इंतजार के बाद वहां पर नहीं आए। जिससे कमेटी बैरंग वापस लौट गई। अब टीम सोमवार को पीड़ित के घर पर जाएगी या फिर उन्हें नोटिस देगी, जिससे कि जांच प्रक्रिया जल्द पूरी हो सके। बीते 21 दिसंबर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुरेब में एक महिला की नार्मल डिलेवरी हुई। लेकिन उक्त महिला की तबियत कुछ देर के बाद बिगड़ गई। जिससे वहां के जिम्मेदारों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजनों का आरोप है कि उक्त महिला की मौत पीएचसी में ही मौत हो गई। मौत होने की सूचना पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया था। जिसमें सीएमओ ने उक्त प्रकरण में चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। एसीएमओ आरसीएच डा. महेंद्र प्रसाद, डा. बीके सोनी, डा. रवि पांडेय, डा. वरुणेश दूबे व संगीता प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुरेब पहुंचीं। टीम ने पीड़ित पक्ष के लोगों को बयान देने के लिए बुलाया, लेकिन टीम को घंटों इंतजार करना पड़ा। वहीं अब पीड़ित पक्ष का बयान लेने के लिए टीम सोमवार को मृतका के घर जा सकती है या फिर नोटिस भेजेगी, जिससे कि जांच जल्द पूरी हो सके।


**अदालती नोटिस**

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0 426/2024
अदालत– श्रीमान एस0ओ0सी0 महोदय नौगढ़ सिद्धार्थनगर
मकरन्धा
बनाम
अब्दुल रऊफ आदि
1. हसन पुत्र हकीकुल्लाह 2. हिदायतुल्लाह पुत्र इजहारूलहक 3. मंजूर अहमद पुत्र सफातुल्लाह 4. आफताब आलम पुत्र इजहारूल हक 5. इजहारून नजीरा उर्फ बतासा बेवा रफातुल्लाह 6. सैफुल्ला पुत्र जमीरूल्लाह 7. अब्दुल रऊफ पुत्र जमीरूल्लाह 8. महबुल्लाह पुत्र सफातुल्लाह 9. बतुनी विधवा सफातुल्लाह 10. मैनुद्दीन पुत्र हकीकुल्लाह 11. सुभान पुत्र इजहारूल हक 12. अब्दुल्लाह पुत्र सफातुल्लाह 13. अब्दुल रहमान पुत्र हकीकुल्लाह 14. वसीउल्लाह पुत्र हकीकुल्लाह 15. अनारूल्लाह पुत्र हकीकुल्लाह 16. इकरामुद्दीन पुत्र मो0 सईद निवासीगण मौजा नदवलिया तप्पा डबरा पोस्ट सतरी बाजार परगना नौगढ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर
**तारीख पेशी 03–01–2025**
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 03 महीना 01 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 26 माह 12 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम



**दैनिक भारतीय बस्ती**

**स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।**
**सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय**

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
**अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–** चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
**लखनऊ कार्यालय–** आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
**गोरखपुर कार्यालय–** इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल **bhartiyabasti@yahoo.com**
**bhartiyabasti@gmail.com**